सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 11 ● अंक: 61 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शनिवार, 5 अप्रैल, 2025
मूल्य ₹ 3/-

अगर हर कोई साथ में आगे बढ़ रहा है तो सफलता खुद अपना ख्याल रख लेती है।
-हेनरी फोर्ड

लखनऊ का मुंबई इंडियंस पर दबदबा... 7 | वक्फ संशोधन बिल के बाद बदलेगी... 3 | भाजपा धार्मिक ध्रुवीकरण की... 2

अमेरिकी टैरिफ अटैक के बाद चारों ओर कोहराम

» लोगों की चिंता अब क्या होगा?
» ट्रंप ने जैसा कहा वैसा किया , लगा दिया टैरिफ टैक्स
» आ गया पीएम मोदी की मेक इन इंडिया जैसी योजनाओं की परीक्षा का समय

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। नये जमाने में नयी जंग का आग़ाज़ हो चुका है। अमेरिका की टैरिफ मिसाइल का रूख चीन था लेकिन भारत भी इसकी मार से अछूता नहीं रहा और जद में आ गया। अमेरिका ने चीन पर 54 फीसदी टैरिफ टैक्स लगाया है वहीं भारत पर 26 फीसदी टैरिफ लगाया गया है। अमेरिका के पहले प्रहार में ही भारतीय शेयर बाजार धड़ाम हो गये।

हालांकि अभी फार्मा सेक्टर में ट्रंप का कुछ बड़ा करने की धमकी अभी बाकी है। चीन ने जवाब के तौर पर अमेरिकन उत्पादों पर भी 54 परसेंट के टैक्स लगाने का एलान कर दिया है। अमेरिकन टैरिफ अटैक से वैश्विक मंदी के आसार बड़ गये हैं। यदि टैरिफ के चलते भारतीय निर्यात पर असर पड़ता है तो इससे विदेशी मुद्रा भंडार के साथ रूपये पर दबाव और नौकरियों पर संकट का खतरा मंडराने लगा है।

मेक इन इंडिया पर रहेगी नजर

ट्रेड वॉर के बीच अब वक्त आ गया मेक इन इंडिया जैसी योजनाओं की परीक्षा का। विदेशी कंपनियां यदि चीन से हटती हैं तो भारत उनके लिए विकल्प बन सकता है। लेकिन क्या भारत इस आपदा को अवसर में बदलने के लिए तैयार है। यह अलग बहस है। लेकिन इतना तय है कि भारत आज भी श्रम कानून और लॉजिस्टिक्स जैसे मुद्दे से अभी भी जूझ रहा है।

शेयर बाजार धड़ाम, रुपये पर दबाव, नौकरियों पर संकट

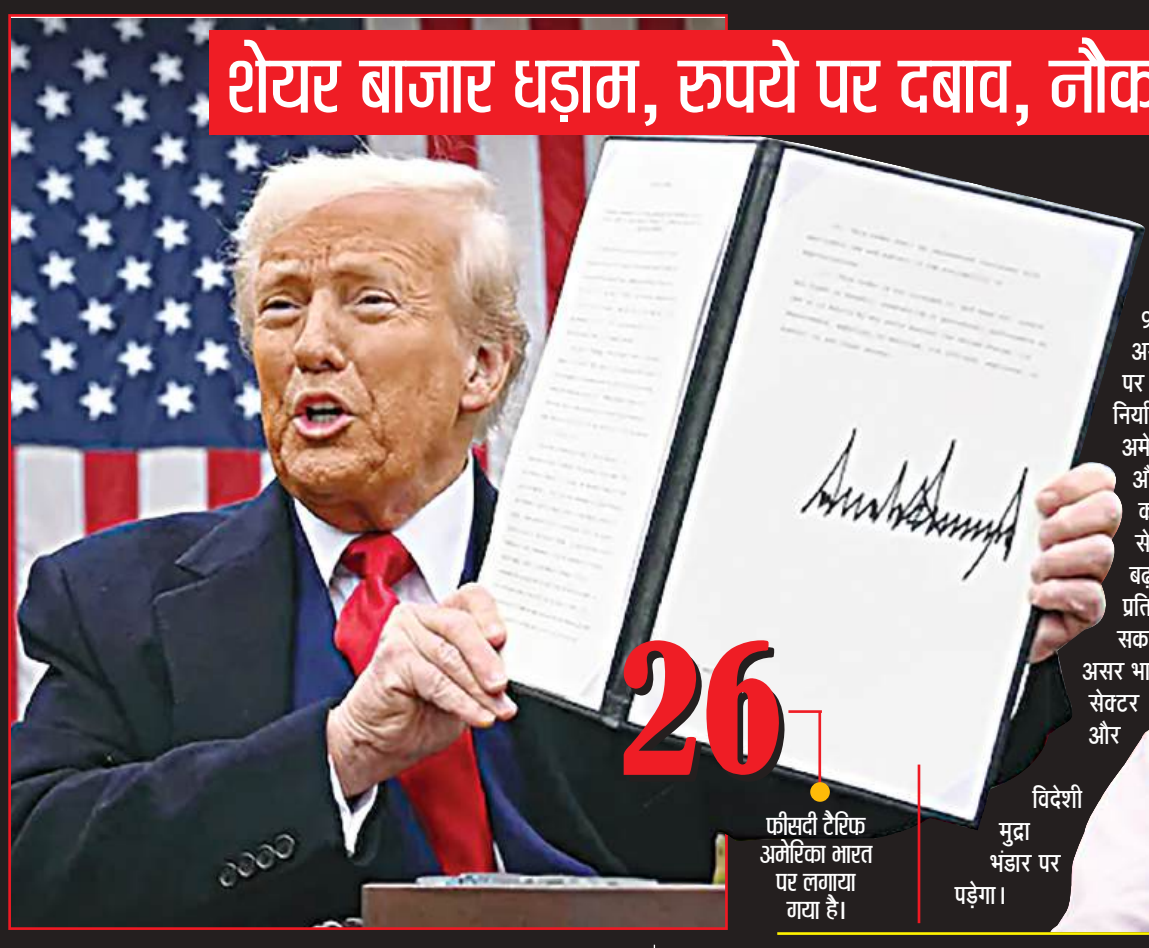

शुरू हो गयी जंग

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर 26 फीसदी टैरिफ लगा दिया है। यह टैरिफ 9 अप्रैल से प्रभावी होगा और भारत से अमेरिका को निर्यात किए जाने वाले हर सामान पर इसे वसूला जाएगा। टैरिफ युद्ध ने भारत के निर्यात को दोहरे दबाव में ला खड़ा किया। भारत अमेरिका को फार्मा, आईटी सर्विसेज़, टेक्सटाइल और ऑटो पार्ट्स जैसे कई क्षेत्रों में निर्यात करता है। टैरिफ टैक्स की मार से इन उत्पादों की कीमतें बढ़ जाती हैं, जिससे प्रतिस्पर्धा में भारत पिछड़ सकता है। इसका सीधा असर भारत के एक्सपोर्ट सेक्टर और विदेशी मुद्रा भंडार पर पड़ेगा।

26 फीसदी टैरिफ अमेरिका भारत पर लगाया गया है।

देश के 99 फीसदी लोग शेयर बाजार की तबाही से हो रहे तबाह : अखिलेश

सपा प्रमुख अखिलेश यादव शेयर बाजार में गिरावट को लेकर देश की भाजपा सरकार पर निशाना साधा है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर उन्होंने निवेशकों के प्रति अपनी चिंता जाहिर की है। उन्होंने अपने पोस्ट में नोटबंदी और मंदी की मार की भी जिक्र किया है। सपा प्रमुख ने एक्स पर किए पोस्ट में लिखा है कि देश के शेयर बाजार में लाखों करोड़ों की गिरावट की ओर ध्यान देना बेहद जरूरी है। क्योंकि इससे उन आम लोगों की बचत और पूंजी डूब रही है जिनके पास कुछ अतिरिक्त धन निवेश करने के लिए उपलब्ध है, जिससे वो लोग सामान खरीदते हैं या सेवाएं और वाहन-भूमि इत्यादि। इनसे ही बाजार में खरीद-फरोख्त का पहिया घूमता है और साथ ही अर्थव्यवस्था का भी। अगर शेयर मार्केट में आम लोगों के पैसे डूबते हैं तो बाजार भी डूबता है और इकॉनमी भी। आज जब युवा वर्ग शेयर बाजार में अपनी जमा-पूंजी लगा रहा है तो वो भी बाजार की इस अनिश्चितता का भरपूर शिकार हो रहा है। देश के पूंजी बाजार के भविष्य के लिए ये बेहद खतरनाक स्थिति है। शेयर बाजार से युवाओं को जब हानि होगी तो वो शेयर व अन्य इंवेस्टमेंट से भी कतराएंगे, जो शेयर मार्केट के फ्यूचर के लिए पॉजिटिव सिग्नल नहीं होगा। अखिलेश यादव ने अपने पोस्ट में नोटबंदी का जिक्र करते हुए लिखा है कि देश के आम लोगों के पास न तो पैसे हैं और न ही नौकरी-रोजगार। ऐसे में बेबस लोग अपनी कमाई के लिए बाजार की गतिविधियों और गतिशीलता के सहारे ही दो वक्त की रोटी कमाते हैं। दूसरी तरफ वो लोग हैं जिनके पास नोटबंदी और मंदी की मार के बाद न तो पैसे हैं और न ही नौकरी-रोजगार। भुखमरी और बेकारी झेल रहे, ऐसे बेरोजगार-बेबस लोग अपनी कमाई के लिए बाजार की गतिविधियों और गतिशीलता के सहारे ही दो वक्त की रोटी कमाते हैं। इसीलिए शेयर बाजार के गिरने का बहुत बुरा दूरगामी असर उनके जीवनयापन पर भी होता है। कड़वा सच ये है कि अगर 1त महाधनी लोगों को छोड़ दिया जाए तो देश के बाकी 99 प्रतिशत आम लोग अप्रत्यक्ष-प्रत्यक्ष रूप में शेयर बाजार की तबाही से तबाह हो रहे हैं।

फार्मा सेक्टर पर भी आफत

देश का वाणिज्य मंत्रालय ने फार्मा निर्यातकों के साथ इस विषय पर मीटिंग करना शुरू कर दी है। हालांकि ट्रंप ने टैरिफ के पहले चरण में फार्मा सेक्टर को बाहर रखा है। लेकिन इस दिशा में कुछ बड़ा करने का एलान कर अमेरिका में फार्मास्यूटिकल आयात पर टैरिफ लगाने के संकेत दिये है। टैरिफ में बड़ी बढ़ोतरी से भारतीय दवा निर्माताओं के लाभ मार्जिन को नुकसान पहुंच सकता है। अमेरिका भारत के फार्मास्यूटिकल निर्यात के लिए एक प्रमुख बाजार है। अमेरिका में उपयोग होने वाली सभी जेनेरिक दवाओं की लगभग 40 प्रतिशत आपूर्ति भारतीय कंपनियों द्वारा की जाती है। अमेरिका को होने वाले सालाना भारतीय फार्मा निर्यात की वैल्यू करीब 9 अरब डॉलर है। वह भारतीय फार्मा कंपनियां काफी चिंतित है जो अपने कारोबार के लिए अमेरिकी बाजार पर काफी हद तक निर्भर है। टैरिफ एलान के बाद भारतीय दवा कंपनियों के शेयरों में काफी गिरावट दर्ज की गयी है। सरकारी प्रवक्ताओं के मुताबिक सरकार स्थिति का बारीकी से आकलन कर रही है और संभावित प्रभाव को समझने एवं जोखिम को कम करने के तरीकों का पता लगाने के लिए निर्यातकों के साथ मिलकर काम कर रही है।

नौकरियों पर मंडराया खतरा

यदि टैरिफ टैक्स के कारण भारत के एक्सपोर्ट घटते हैं तो जाहिर सी बात है? कि उद्योगों में उत्पादन घटेगा। जिसका नतीजा लोगों की नौकरी जाने के रूप में आने की संभावना है। टेक्सटाइल, फार्मा और स्मॉल मैन्युफैक्चरिंग यूनिट्स पर इस आपदा का सबसे ज्यादा असर देखने को मिल सकता है।

टैरिफ एलान के बाद भारतीय शेयर बाजार धड़ाम

टैरिफ एलान के बाद भारतीय शेयर बाजार धड़ाम हो गये। सेंसेक्स और निफ्टी दोनों ही 1 फीसदी से ज्यादा क्रैश हुए। ग्लोबल ट्रेड वार शुरू होने की आशंका ने निवेशकों को हतोउत्साहित कर दिया। इसके चलते बाजार में भारी बिकवाली शुरू हो गयी और देखते ही देखते सेंसेक्स 930 अंक टूट कर 75364.64 पर पहुंच गया। यह गिरावट सिर्फ भारतीय शेयर बाजार में नहीं बल्कि अमेरिकन बाजारों में भी देखने को मिली। ट्रंप के एलान के बाद यूएस के बाजारों में भारी बिकवाली हुई। डाओ करीब 4 फीसदी और नैस्डैक करीब 6 फीसदी गिरावट के साथ बंद हुए। कनाडा और मैक्सिको ने अमेरिका को जवाब देने की कसम खाई ऐसे में अमेरिका के खिलाफ जवाबी कार्रवाई की संभावना ने अनिश्चितता को और बढ़ा दिया है। इससे अमेरिकी बॉन्ड यील्ड और कच्चे तेल की कीमतों में कमी आई है। एक्सपर्ट के मुताबिक यह कमी संभावित आर्थिक मंदी और मंदी के बढ़ते जोखिम को बढ़ाने के लिए काफी है।

भाजपा धार्मिक ध्रुवीकरण की साजिश कर रही : अखिलेश यादव

बोले सपा प्रमुख- भाजपा सबसे बड़ी भूमाफिया पार्टी

वक्फ कानून को लेकर पीडीए को एकजुट करेगी सपा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। वक्फ कानून को लेकर सपा शांत नहीं बैठेगी। वह इस कानून के विरोध में पीडीए को गोलबंद करेगी। पार्टी ने संसद और उसके बाहर संशोधित वक्फ कानून का विरोध किया है। सपा प्रमुख ने भाजपा पर जोरदार हमला बोला है। उन्होंने कहा बीजेपी सबसे बड़ी भूमाफिया पार्टी है। वक्फ विधेयक भाजपा की धार्मिक ध्रुवीकरण की साजिश बताया है।

सपा सूत्रों के मुताबिक, इस कानून पर उदार हिंदुओं के बीच भी पार्टी अपनी बात रखेगी, ताकि पीडीए की एकता को मजबूत किया जा सके। सपा नेतृत्व का मानना है कि धार्मिक आधार पर ध्रुवीकरण ठीक नहीं है। इससे पिछड़ों, दलितों और अल्पसंख्यकों (पीडीए) के हक की लड़ाई कमजोर होती है। सपा नेतृत्व ने सभी जिला व शहर कमेटियों को निर्देश दिए हैं कि यह संदेश घर-घर पहुंचाएं कि अगर पीडीए कमजोर हुआ तो जिस तरह से 69 हजार शिक्षक भर्ती में आरक्षण की अनदेखी हुई, उसी तरह से अन्य भर्तियों में भी ऐसा किया जाएगा।

आउटसोर्सिंग की नीति भी आरक्षण को खत्म करने के लिए अपनाई जा रही है। अखिलेश ने शुक्रवार को जारी बयान में कहा कि भाजपा सबसे बड़ी भूमाफिया पार्टी है। जमीनों का भ्रष्टाचार चरम पर है।

अयोध्या में भाजपा सरकार ने अधिग्रहीत जमीनों को अपने करीबियों को दे दिया। किसानों और व्यापारियों की काफी जमीनें छीन लीं और उन्हें उचित मुआवजा भी नहीं दिया।

भाजपा नहीं भारतीय जमीन पार्टी है

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि सिर्फ गोरखपुर, अयोध्या, लखनऊ या कानपुर ही नहीं, सच में देखा जाए तो भाजपा राज में पूरे उत्तर प्रदेश में भूमाफिया के कई कमिश्नरेट बन गए हैं। धर्मार्थ भूमि हो या तालाब, इन पर भाजपा संरक्षित भूमाफिया सक्रिय हैं। वहीं, अवैध खनन और जंगलों के कटान में भूमाफिया दिनदहाड़े गैरकानूनी काम कर रहे हैं। भाजपा को भारतीय जमीन पार्टी की संज्ञा देते हुए उन्होंने कहा कि उसके राज में जमीन पर अवैध कब्जों का रिकॉर्ड पर रिकॉर्ड बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता भाजपा की दबंगई और अराजकता से त्रस्त है। सपा अध्यक्ष ने कहा कि इस सरकार ने पहले पीडीए का मान-सम्मान छीना फिर नौकरियों में आरक्षण छीना और अब उसकी नजर पीडीए समाज की जमीनों पर है।

कोर्ट के आदेश के बाद सपा नेता विजय बहादुर के साथ दफ्तर पहुंचीं जिपं अध्यक्ष आरती

लखनऊ। जिला पंचायत अध्यक्ष आरती रावत के खिलाफ भ्रष्टाचार की जांच की जा रही थी। जांच के बाद कमेटी ने रिपोर्ट जिलाधिकारी को सौंप दी थी। डीएम ने शासन को जांच रिपोर्ट भेजी, जिसके बाद आरती को निलंबित कर दिया गया था। इस बीच आरती ने हाईकोर्ट में अर्जी दी थी। कोर्ट के आदेश पर आरती का निलंबन वापस ले लिया गया। आरती के खिलाफ गोसाईगंज की जिला पंचायत सदस्य ने शिकायत की थी। इसीके बाद जांच हुई थी। इस मामले में पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष विजय बहादुर यादव पर भी गई आरोप लगे थे। इनमें बिल्डरों को लाभ पहुंचाने, भ्रष्टाचार और अनियमितता समेत अन्य आरोप थे।

नया बिल धार्मिक संपत्तियों पर कब्जा करने की शुरुआत है: संजय सिंह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लोकसभा ने बुधवार रात करीब एक बजे वक्फ संशोधन विधेयक बहुमत से पारित कर दिया। वक्फ संशोधन विधेयक के लोकसभा में पारित होने पर आप नेता संजय सिंह ने कहा, हमने इस बिल का जेपीसी में भी विरोध किया, लोकसभा में भी विरोध दर्ज करवाया और राज्यसभा में भी।

आप नेता ने कहा कि यह बिल भारत के संविधान के खिलाफ है। जब बाबा साहेब अंबेडकर और भारत के संविधान को ही नहीं माना जा रहा तो वास्तव में देश में लड़ाई, झगड़े और विवाद खड़ने के उद्देश्य से यह बिल लाया गया है। यह बिल धार्मिक संपत्तियों पर कब्जा करने की शुरूआत है।

दिल्ली की एक कोर्ट ने आज पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी और आप के सांसद संजय सिंह के खिलाफ मानहानि मामले को खारिज कर दिया है। पूर्व सांसद संदीप दीक्षित ने आतिशी और संजय सिंह के खिलाफ मानहानि की शिकायत की थी।

के. अन्नामलाई तमिलनाडु भाजपा प्रमुख की दौड़ से बाहर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। कोयंबटूर में मीडिया से बात करते हुए अन्नामलाई ने कहा कि मैं चाहता हूं कि पार्टी का भविष्य उज्ज्वल हो। इस पार्टी के विकास के लिए कई लोगों ने अपना जीवन दिया है। मैं हमेशा इस पार्टी के लिए शुभकामनाएं देता हूं। उन्होंने खुद को इस प्रक्रिया से दूर रखते हुए कहा कि मैं अगले राज्य अध्यक्ष की दौड़ में नहीं हूं। मैं किसी भी राजनीतिक अटकलबाजी का जवाब नहीं दूंगा। मैं किसी भी रेस में नहीं हूं।

के. अन्नामलाई ने कहा है कि भाजपा में नेता पार्टी के नेता पद के लिए प्रतिस्पर्धा नहीं करते। हम सभी मिलकर पार्टी अध्यक्ष का चुनाव करते हैं। मैं उस पद की रेस में नहीं हूं। उन्होंने पार्टी के तमिलनाडु राज्य अध्यक्ष पद के लिए खुद को पूरी तरह से खारिज कर दिया। कोयंबटूर में मीडिया से बात करते हुए अन्नामलाई ने कहा कि मैं चाहता हूं कि पार्टी का भविष्य उज्ज्वल हो। इस पार्टी के विकास के लिए कई लोगों ने अपना जीवन दिया है। मैं हमेशा इस पार्टी के लिए शुभकामनाएं देता हूं। उन्होंने खुद को इस प्रक्रिया से दूर रखते हुए कहा कि मैं अगले राज्य अध्यक्ष की दौड़ में नहीं हूं। मैं किसी भी राजनीतिक अटकलबाजी का जवाब नहीं दूंगा। मैं किसी भी रेस में नहीं हूं। उन्होंने यह भी दोहराया कि भाजपा अन्य पार्टियों से अलग है जहां पार्टी अध्यक्ष पद के लिए 50 नेता नामांकन दाखिल करते हैं।

वरिष्ठ पत्रकार टीएस सुधीर ने अपने लेख में लिखा था कि अन्नामलाई का भाजपा के तमिलनाडु प्रमुख के पद से हटना तय है। सुधीर के अनुसार, अन्नामलाई के जाने को जातिगत समीकरणों से प्रेरित कदम के रूप में देखा जाएगा, लेकिन वास्तव में यह पार्टी के भीतर उनके बढ़ते महत्व का संकेत है। अन्नामलाई भाजपा के एआईएडीएमके के साथ गठबंधन के बारे में बेहद मुखर रहे थे, ने हाल ही में क्षेत्रीय पार्टी के प्रति अपना रुख नरम कर लिया। हालांकि, उन्होंने इस बारे में विस्तृत जानकारी देने से परहेज किया।

इस सरकार में मौलिक अधिकार का हो रहा हनन : पशुपति पारस

वक्फ संशोधन बिल पर एनडीए में दरार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

वैशाली। बिहार में वक्फ संशोधन बिल को लेकर सियासी घमासान जारी है। अब राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के प्रमुख सहयोगी दलों में से एक राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी इस बिल के खिलाफ खड़ी हो गई है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पीएम मोदी के हनुमान कहे जाने वाले चिराग पासवान के चाचा पशुपति पारस ने वक्फ संशोधन बिल का विरोध कर दिया है।

उन्होंने कहा कि मैं इस बिल का पुरजोर विरोध करता हूं। पारस के इस बयान ने एनडीए के अंदर मतभेद की बात को उजागर कर दिया है। एक दिन पहले ही सीएम नीतीश कुमार की पार्टी के कई मुस्लिम नेताओं ने इस्तीफा दे दिया था।

अब पूर्व केंद्रीय मंत्री पशुपति पारस के इस बयान ने सियासी गर्मी बढ़ा दी है। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि पशुपति पास ने बताया कि मैं वक्फ संशोधन विधेयक का विरोध करता हूं। उन्होंने भारत की तुलना एक बगीचे से की।

कहा कि भारत एक बगीचा है। इस बगीचे में सभी प्रकार के फूल खिलते हैं। इसी तरह इस देश में हिंदू, मुस्लिम, सिख इसाई, दलित, महादलित, उच्च नीच, आगरा पिछड़ा सभी धर्म के लोग रहते हैं और सभी का अपना-अपना अधिकार है। बाबा साहब भीमराव अंबेडकर ने जिस संविधान को बनाया था उसे संविधान के आधार पर सभी को जीने का मौलिक अधिकार है। इस विधेयक ने एक समुदाय की भावनाओं को आहत किया है।

पार्टी में वक्फ बिल का होगा विरोध

पारस ने कहा कि जदयू में खुद टूट है। भाजपा में हो चाहे जदयू में चाहे किसी भी राजनीतिक पार्टी में जितने भी अकलियत के लोग हैं, उनके मौलिक अधिकार का हनन हो रहा है। इसको लेकर स्वाभाविक तौर पर पार्टी में विरोध होगा। वहीं उन्होंने यह भी बताया कि मेरे बड़े भाई दिवंगत रामविलास पासवान ने जी बिल का विरोध हमेशा से कर रहे थे। बता दें कि पारस के भतीजे ने इस बिल के समर्थन में चिराग पासवान ने वोट किया है।

वक्फ बिल अल्पसंख्यकों के खिलाफ : तनवीर सादिक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। शनिवार को जम्मू और कश्मीर में केंद्र सरकार की नीतियों, खासकर वक्फ बिल और जनादेश, पर नेशनल कांफ्रेंस के नेताओं ने कड़ी प्रतिक्रिया दी। नेशनल काफ्रेंस के प्रवक्ता तनवीर सादिक ने कहा कि दो प्रमुख मुद्दों पर व्यापक बहस हुई है। वक्फ बिल को मुसलमानों और अल्पसंख्यकों के खिलाफ बताते हुए, उन्होंने इसका विरोध किया।

» नेशनल कांफ्रेंस नेताओं का केंद्र सरकार पर हमला

सादिक ने कहा कि इस बिल को अल्पसंख्यक समुदाय के अधिकारों पर हमला बताया। इसके अलावा जनादेश का सम्मान करने का आह्वान किया और कहा कि जो लोग ऐसा नहीं करते, वे जनादेश को अपमानित करते हैं। हमारी एकजुटता को कमजोरी समझने की भूल न करें, हमें दीवार से न धकेलें, और केंद्र सरकार से कहा कि वह जनादेश का सम्मान करें।

विधानसभा में विधायक दल के नेता और कांग्रेस के नेता निजामुद्दीन भट ने कहा कि गठबंधन के सभी विधायक सदन के नेता के पीछे दृढ़ता से खड़े हैं। भट ने कहा कि राजभवन और केंद्र सरकार से बातचीत करके वक्फ जैसे संवेदनशील मुद्दे और लोकप्रिय सरकार का जनादेश हल किया जाएगा। साथ ही उन्होंने कहा कि कुछ लोग शायद शांति को खराब करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन ये प्रयास असफल होंगे।

वक्फ संशोधन बिल के बाद बदलेगी सियासत!

मुस्लिम समुदाय निराश पर जल्दबाजी में नहीं

» बिल पर पूरे देश में मिलीजुली प्रतिक्रिया

» विपक्ष का दावा चुनावों पर होगा असर

» भाजपा ने कहा- किसी का कोई नुकसान नहीं होगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आखिर वक्फ संशोधन बिल काफी जद्दोजहद के बाद लोकसभा व राज्यसभा दोनों जगहों से बहुमत से पास हो गया। जहां लोकसभा में पक्ष में 288 व विपक्ष में 232 वोट पड़े तो वहीं राज्यसभा में पक्ष में 128 व विपक्ष में 95 वोट पड़े। अब यह राष्ट्रपति के पास जाएगा जहां इस पर उनके हस्ताक्षर के बाद यह कानून बनेगा। हालांकि इस बिल को लाने से पहले सत्ता में बैठी एनडीए सरकार को कई पापड़ बेलने पड़े। विपक्ष के दबाव के चलते उसे जेपीसी में भी भेजना पड़ा जहां कुछ संशोधनों के बाद उसे संसद में लाया गया।

अब सियासी गलियारों में ये चर्चा हो रही है कि इस विधेयक के आने के बाद देश की राजनीति पर क्या असर पड़ेगा। क्या जो पार्टियां भाजपा के साथ हैं पर उन्हें मुस्लिमों वोटों की जरूरत है उनको वोट देने मुस्लिम मतदाता पीछे हटेंगे तो ऐसा कहना अभी जल्दबाजी हो आने वाले चुनावों के नतीजों के बाद ही पता चलेगा कि मुस्लिम मतदाता क्या सोचते हैं। सामाजिक क्षेत्रों में भी इस पर चर्चा जोरोशोरों से चल रही है। ऐसा देखने में आ रही है अब भारतीय राजनीति में अघोषित तौर से तीन खेमे बन गए हैं। कांग्रेस, वाम दल, आरजेडी, डीएमके, मुस्लिम लीग,एआईएमआईएम, बीआरएस और टीएमसी के लिए बीजेपी के लिए अभी भी सांप्रदायिक पार्टी है, जबकि ये खुद को सेक्युलर मानती हैं। तीसरे खेमे में ऐसी राजनीतिक पार्टियां हैं, जो पहले बीजेपी को सांप्रदायिक मानती थी, मगर अब उसके नीतिगत फैसलों के साथ है। ये पार्टियां अब मुसलमानों को कथित रूप से आहत होने वाले विषयों पर मोदी सरकार को खुलकर समर्थन देती है।

देवगौड़ा व प्रफुल्ल पटेल के बयान के मायने

राज्यसभा में आलम यह था कि जनता दल (सेक्युलर) के नेता और पूर्व प्रधानमंत्री एच डी देवेगौड़ा ने वक्फ संपत्तियों की रक्षा के लिए पीएम मोदी की तारीफ की। उद्धव सेना के सांसद संजय राउत से जो बीजेपी नहीं कह सकी, उसे एनसीपी सांसद प्रफुल्ल पटेल ने सीना ठोककर सुना दिया। उन्होंने कांग्रेस से भी सवाल किया कि क्या वह शिवसेना के साथ रहकर खुद को सेक्युलर मानती है। जेडी यू के ललन सिंह ने बीजेपी के मुस्लिम विरोधी होने के आरोपों खारिज किया। उन्होंने कहा कि विपक्ष यह नैरेटिव बनाने का प्रयास किया जा रहा है कि वक्फ संशोधन बिल मुसलमान विरोधी है। उनका एक बयान काफी चर्चा में रहा, जिसमें उन्होंने विपक्ष ललकारते हुए कहा कि आपको मोदी का चेहरा पसंद नहीं है तो मत देखिए। पूर्व पीएम देवेगौड़ा और प्रफुल्ल पटेल सेक्युलर पॉलिटिक्स के दो बड़े चेहरे रहे, जिन्होंने वक्फ बिल के पक्ष में बीजेपी की पॉलिसी का समर्थन किया।

वक्फ बिल के समर्थन में आए गैर बीजेपी का दल

संसद में वक्फ संशोधन विधेयक पारित होने के साथ ही देश की राजनीति में 'नई सेक्युलर' पार्टियों की नई जमात भी सामने आ गया, जो मुस्लिम वोटिंग पैटर्न से बेखौफ होकर बीजेपी के एजेंसे के साथ खड़ा है। जेडीयू, तेलगूदेशम, जेडी एस, एनसीपी, लोजपा (रामविलास), राष्ट्रीय लोकदल और असम गण परिषद जैसी पार्टियों ने वक्फ संशोधन बिल के समर्थन में मतदान किया। इन दलों ने माना कि मोदी सरकार इस बिल के जरिये वक्फ बोर्ड की संपत्तियों को बचाने का प्रयास कर रही है। एनडीए के बाहर रहने वाली बीजू जनता दल ने राज्यसभा में समर्थन देकर नए सेक्युलरों के ग्रुप को और विस्तार दे दिया। मुस्लिम वोट बैंक के सहारे चलने वाले इन राजनीतिक दलों ने वक्फ बिल पर न सिर्फ बीजेपी के साथ कंधा मिलाया बल्कि चर्चा के दौरान सेक्युलरिज्म की नई परिभाषा भी गढ़ी। इन नव धर्मनिरपेक्ष दलों के लिए बीजेपी सांप्रदायिक नहीं रही। इस बदलाव का असर दशकों तक दिखेगा।

जेडीयू में उठापटक, 5 नेताओं का इस्तीफा

जेडी(यू) के एक अन्य नेता नदीम अख्तर ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। वह वक्फ संशोधन विधेयक को पार्टी द्वारा समर्थन दिए जाने के कारण पार्टी छोड़ने वाले पांचवें सदस्य बन गए हैं। उनके इस्तीफे के बाद जेडी(यू) नेता राजू नैयर, तबरेज सिद्दीकी अलीग, मोहम्मद शाहनवाज मलिक और मोहम्मद कासिम अंसारी सहित चार अन्य नेताओं ने भी इस्तीफा दे दिया है। इससे पहले जेडी(यू) नेता राजू नैयर ने अपने इस्तीफे में लिखा था, वक्फ संशोधन विधेयक के लोकसभा में पारित होने और उसका समर्थन किए जाने के बाद मैं जेडी(यू) से इस्तीफा देता हूं। वहीं, जेडीयू के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा का इस पर बड़ा बयान आया है। संजय झा ने कहा कि जिन मुस्लिम नेताओं ने वक्फ बिल के विरोध में जदयू से इस्तीफा देने का ऐलान किया है, उन्हें वह खुद नहीं जानते। उन्होंने कहा कि वक्फ बिल वक्फ संपत्तियों के कुप्रबंधन को दूर करने के लिए लाया गया था। बिहार में हुई जाति जनगणना में पसमांदा मुसलमान, अंसारी, मंसूरी समुदाय शामिल हैं, और इस बिल से उन्हें लाभ होगा क्योंकि उनके प्रतिनिधि भी इस बोर्ड में होंगे। वक्फ के प्रबंधन को बेहतर बनाने के लिए ऐसा किया गया है। केंद्रीय मंत्री और जेडीयू सांसद राजीव रंजन उर्फ ललन सिंह ने कहा कि जिस नेता ने पार्टी (जेडीयू) से इस्तीफा दे दिया है, उसने पतंग (एआईएमआईएम) के चुनाव चिन्ह पर ढाका (बिहार) से 2020 का चुनाव लड़ा और 499 वोट हासिल किए। ऐसे में भारी नेता कहा। आरजेडी को लालू यादव के 2010 के भाषण पर बोलना चाहिए, जहां उन्होंने कहा था कि उन्होंने (वक्फ) डाक बंगले के पास की जमीन सहित सब कुछ लूट लिया है। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने भाजपा के सहयोगी दलों और सांसदों समेत सभी धर्मनिरपेक्ष राजनीतिक दलों से वक्फ संशोधन विधेयक का विरोध करने का आग्रह किया था। जेडीयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को संबोधित एक पत्र में, तबरेज़ सिद्दीकी अलीग ने गहरी निराशा व्यक्त करते हुए कहा कि पार्टी ने मुस्लिम समुदाय के विश्वास को धोखा दिया है। मोहम्मद कासिम अंसारी ने कहा कि वे इस्तीफा दे रहे हैं क्योंकि वक्फ संशोधन विधेयक पर पार्टी के रुख ने लाखों मुसलमानों को गहरी ठेस पहुंचाई है। यह इस्तीफा जेडीयू के लिए ऐसे समय में आया है जब बिहार विधानसभा चुनाव की तैयारी कर रहा है।

चुनावी जीत ने कई दलों को बनाया मजबूत

सबसे बड़ा फर्क यह आया कि 370 और सीएए के समर्थन देने के बाद एनडीए के पार्टनर रही पार्टियों के जनसमर्थन में कमी नहीं आई। 2020 में बिहार विधानसभा चुनाव के दौरान बीजेपी-जेडीयू को पूर्ण बहुमत मिला। महाराष्ट्र में बीजेपी-शिंदे सेना और अजित पवार को बड़ी जीत मिली। आंध्र प्रदेश में चंद्राबाबू नायडू को ऐतिहासिक जीत पर सीएए और 370 की छाया भी नहीं पड़ी। लोकसभा चुनावों में लोजपा, असम गण परिषद, आरएलडी को बीजेपी के वोट बैंक का फायदा मिला। बीजेपी ने असम, यूपी, हरियाणा

समेत कई राज्यों में सरकार बनाई। एनडीए में शामिल पार्टियों ने राज्यों में सेक्युलर दलों कांग्रेस, आरजेडी, सपा को हराया, जो मुस्लिम वोट बैंक का काफी ख्याल रखती हैं। इन चुनावी नतीजों ने एनडीए में शामिल दलों के लिए मुस्लिम वोटरों के सामने यह जताने की मजबूरी भी खत्म कर दी कि वह इन मुद्दों पर बीजेपी से अलग स्टैंड रखते हैं।

बीजेपी के लिए क्यों नरम पड़े पुराने सेक्युलर

2019 में बीजेपी की दूसरी पूर्ण बहुमत सरकार बनने के बाद सीएए और धारा-370 पर बड़ा फैसला हो गया। वैचारिक तौर से बीजेपी के साथ रही शिवसेना ने इन फैसलों का समर्थन किया। जेडी यू और बीजेडी ने बिना शोर मचाए संसद में इन बिलों का समर्थन किया। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट के आदेश ने राम मंदिर बनाने का रास्ता साफ कर दिया। इसके साथ ही राम मंदिर और धारा 370 जैसे विषय विवादित राजनीतिक मुद्दों की लिस्ट से बाहर हो गए। बीजेपी ने चुनावों में खुलकर इन मुद्दों पर अपनी पीठ थपथपाई। नरेंद्र मोदी सरकार और अमित शाह बोल्ड फैसले के नायक बन गए। एनडीए समर्थक राजनीतिक दलों ने भी बीजेपी को इसका क्रेडिट देकर अपनी मुस्लिम समर्थक छवि बरकरार रखी।

90 के दशक में कई दलों के लिए अछूत थी बीजेपी

90 के दशक में बीजेपी शिवसेना, अकाली दल और जेडी यू के अलावा करीब-करीब सभी पार्टियों के लिए अछूत थी। जेडी यू लालू विरोध और बिहार की राजनीतिक मजबूरी के कारण एनडीए का हिस्सा बनी। 1998 और 1999 में अटल बिहारी वाजपेयी ने गठबंधन की सरकार बनाई मगर उन्हें तेलगूदेशम, डीएमके, एआईएडीएमके जैसे दलों का बारी-बारी समर्थन भी शर्तों के साथ मिला। शर्त यह थी कि बीजेपी मुसलमानों को आहत करने वाले मुद्दों से परहेज करेगी। इन शर्तों के साथ असम गण परिषद और आरएलडी जैसी पार्टियां भी एनडीए में आती-जाती रहीं। गठबंधन की मजबूरियों के कारण बीजेपी ने भी दो दशक तक धारा-370, राम मंदिर, समान नागरिक संहिता जैसे कोर मुद्दों को ठंडे बस्ते में डाल दिया। रामबिलास पासवान जैसे नेता ने भी गुजरात दंगों के बाद वाजपेयी मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया था और सेक्युलर जमात में शामिल हो गए थे।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

अबला नहीं बच्चियों को बनाएं सबला

नवरात्र देश भर में अलग-अलग रूप में मनाए जाते हैं। पूजा अर्चना की जाती है। सबका तात्पर्य यह ही है कि देवी शक्ति की पूजा कर हम उनसे अपने और समाज के कल्याण का आशीर्वाद मांगे। स्वस्थ समाज की मांग करें। ये सब कुछ सदियों से चला आ रहा है। आज समय की मांग है कि हम आगे बढ़े। वक्त की जरूरत के साथ परिवर्तन करें।

नवरात्र अब आखिरी सत्र में पहुंच चुका है। लोग जगह-जगह कन्या पूजन समारोह में छोटी बच्चियों को पूजेंगे। पर जैसे ही नवरात्र समाप्त हो जाएंगे फिर बालिकाओं से कुकृत्य की खबरें आने लगेंगी। ऐसे में पूरे समाज को संकल्प लेना होगा कि अब से ऐसी घटनाएं कम हो जाए। परिवारों में दृढ़ होना होगा कि कन्याओं को आत्मसुरक्षा के गुर सिखाएं जाएं। साथ ही पूरे देश को एक सुर में कहना चाहिए बालिकांए अबला नहीं सबला हैं। नवरात्र देश भर में अलग-अलग रूप में मनाए जाते हैं। पूजा अर्चना की जाती है। सबका तात्पर्य यह ही है कि देवी शक्ति की पूजा कर हम उनसे अपने और समाज के कल्याण का आशीर्वाद मांगे। स्वस्थ समाज की मांग करें। ये सब कुछ सदियों से चला आ रहा है। आज समय की मांग है कि हम आगे बढ़े। वक्त की जरूरत के साथ परिवर्तन करें। आज देश की देवियां, महिलाएं, मातृशक्ति विकास के हर क्षेत्र में अपना योगदान कर रही हैं। कार तो बहुत समय से चलाती रही हैं।

अब ये आटो, ट्रक, ट्रेन, मालगाड़ी भी चलाने लगीं हैं। ये प्लेन उड़ा रही हैं। अब तो सेना में जाकर बार्डर की हिफाजत भी महिलाएं कर रही हैं। आधुनिकतम लड़ाकू विमान भी उड़ा रहीं हैं। उन्हें नियंत्रित भी कर रही हैं। समय के साथ-साथ समाज की प्राथमिकताएं भी बदलीं। नहीं बदला तो महिलाओं और युवतियों के शोषण का सिलसिला। भारतीय समाज में फैली दहेज की कुप्रथा के कारण गर्भ में ही बालिका भ्रूण मारे जाने लगे। परिवार में ही आसपास ने नाते, रिश्तेदारों और अन्यों द्वारा छुटपन से बेटियों के साथ छेड़छाड़, यौन शोषण चलता रहा। देश में चेतना आई, शिक्षा का स्तर बढ़ा पर महिलाओं के प्रति होने वाले अपराध कम नहीं हुए। हाल ही में राष्ट्रीय महिला आयोग ने सूचित किया कि वर्ष 2021 के प्रारंभिक आठ महीनों में महिलाओं के खिलाफ अपराधों की शिकायतों में पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 46 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। हम अपने परिवार की बेटी को ऐसे संस्कार और शिक्षा दें। उसे आत्मनिर्भर बनाएं, आत्मसुरक्षा सिखाएं, ज्यादतियों के खिलाफ उसे आवाज उठाना भी सिखांए ताकि समाज की कन्या और समाज बेटी की खबर अखबार की सुर्खी न बने। उसके साथ ज्यादती करने का कोई हौंसला न कर सके। हाल में अच्छा यह हुआ है कि केंद्र ने इस तरह की घटनाओं के लिए पास्को एक्ट बनाया। इसमें त्वरित न्याय दिलाने की भी व्यवस्था की है, ताकि अपराधी अपराध करता डरे। जरूरत है कि पास्को एक्ट के तहत हुए निर्णयों का प्रचार-प्रसार व्यापक स्तर से किया जाए ताकि अपराधी में भय पैदा हो।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

लोकतंत्र की आत्मा है अभिव्यक्ति की आजादी

विश्वनाथ सचदेव

एक बार फिर अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का मुद्दा चर्चा में है और इसे एक विडंबना ही कहा जायेगा कि इस बार यह मुद्दा एक कॉमेडियन की प्रस्तुति को लेकर उठा है। मैं बात कुणाल कामरा के उस कार्यक्रम की कर रहा हूं जिसमें उन्होंने बिना नाम लिए महाराष्ट्र के एक राजनेता को 'गद्दार' कहा था। यह पहली बार नहीं है जब उक्त नेता को किसी ने इस विशेषण से जोड़ा है। उक्त नेताजी के पुराने साथी, जिन्हें त्याग कर उन्होंने भाजपा के साथ मिलकर सरकार बनायी थी, अक्सर उनकी निष्ठा पर सवाल उठाते रहे हैं। पर नेताजी के अनुयायियों ने अब अपनी जो प्रतिक्रिया व्यक्त की है—उसे पहले नहीं देखा गया था। जहां तक कॉमेडियन की बात है, मुझे आपत्ति किसी को गद्दार कहने से नहीं है। कोई भी 'मेरी नजर से देखो' का वास्ता देकर किसी पर इस तरह का आरोप लगा सकता है, पर मुझे उन गालियों से आपत्ति है जो कॉमेडियन अपने कार्यक्रम में काम में लेते हैं।

यह भाषा किसी सभ्य समाज की नहीं होनी चाहिए। और मैं यह भी कहना चाहता हूं कि व्यंग्य सार्थक भी तभी होता है जब, जिसपर व्यंग्य किया गया है, वह तिल मिलाकर रह जाये, और अपने आप को कुछ करने की स्थिति में भी नहीं पाये! बहरहाल, इस सबके बावजूद मैं कॉमेडियन के अपनी बात कहने के अधिकार का समर्थन करूंगा। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार हमें हमारे संविधान ने दिया है। यहीं इस बात को भी रेखांकित किया जाना ज़रूरी है कि यह अधिकार असीमित नहीं है। हमारा संविधान इस अधिकार पर 'उचित प्रतिबंध' की बात भी करता है। जहां एक ओर इस अधिकार का उपयोग करने वाले से विवेकशील होने की अपेक्षा की जाती है। वहीं सरकार को भी यह अधिकार दिया गया है कि वह राष्ट्रीय हितों को देखते हुए उचित प्रबंध लगाये। हां, यह बात भी सही है कि अक्सर सरकारें अपने इस अधिकार का ग़लत उपयोग करने लगती हैं। अक्सर हम यह भी देखते हैं कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के खतरों की दुहाई देकर जनतंत्र के इस महत्वपूर्ण हथियार को भोथरा करने की कोशिशें होती हैं।

पचास साल पहले जब देश में आपातकाल घोषित किया गया था तो तब की सरकार ने ऐसी ही एक कोशिश की थी। यहीं यह बताना भी ज़रूरी है कि तब तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने इस बात को स्वीकारा भी था कि सेंसरशिप के कारण उन तक सही और पूरी जानकारी नहीं पहुंच पायी थी

और वे उचित कदम नहीं उठा पायीं। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार के इस पहलू को भी ध्यान में रखा जाना ज़रूरी है। जनतांत्रिक व्यवस्था में जहां यह अधिकार जनता को एक हथियार देता है वहीं संबंधित सरकार को भी अपना कर्तव्य निभाने में सहायता कर सकता है। इस अधिकार का अभाव या हनन, दोनों, जनतंत्र को कमज़ोर बनाते हैं। हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक अमेरिकी पत्रकार को दिये गये इंटरव्यू में आलोचना को 'जनतंत्र की आत्मा' कहा था। तब उन्होंने यह भी कहा था कि 'आज के ज़माने में सही और तीखी आलोचना दिखाई नहीं देती।' इसी इंटरव्यू में उन्होंने भारत में आलोचना की शानदार परंपरा का भी उल्लेख किया था। 'निंदक नियरे राखिए' वाले कबीर को भी याद किया था। अपने इस इंटरव्यू में प्रधानमंत्री ने आलोचना और आरोप में अंतर समझाने की भी कोशिश की थी। यह बात दिलासा देने वाली है। पर अपने एक दशक से अधिक के कार्यकाल में एक भी प्रेस कॉन्फ्रेंस न करके हमारे प्रधानमंत्री जी ने आलोचना के द्वार को ही जैसे बंद कर रखा है। पत्रकारों, रचनाकारों के प्रति एक आदरभाव की अपेक्षा करती है जनतांत्रिक व्यवस्था। यदि रचनाकार, पत्रकार, व्यंग्यकार आलोचना करते हैं तो व्यवस्था का दायित्व बनता है कि वह इसे सकारात्मक दृष्टि से समझे-स्वीकारे। यहां, स्वतंत्र भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू को याद किया जाना चाहिए। जब उन्हें यह लगा कि उनकी समुचित और सार्थक आलोचना नहीं हो रही तो उन्होंने छद्म नाम से स्वयं अपनी आलोचना करके जनतांत्रिक तौर-तरीकों का जैसे रास्ता दिखाया था। यही नहीं, उस जमाने के जाने-माने वरिष्ठ कार्टूनिस्ट शंकर को एक सार्वजनिक समारोह में उन्होंने कहा था, 'शंकर, मुझे भी मत बख्शना।'

नेहरू का यह दृष्टिकोण और कथन जनतांत्रिक मूल्यों और मर्यादाओं के सम्मान का एक उदाहरण है। इतिहास साक्षी है कि कार्टूनिस्ट शंकर ने, और उसके बाद आर.के. लक्ष्मण ने अपनी कृतियों में सकारात्मक आलोचना के ढेरों उदाहरण प्रस्तुत किये थे। एक और कार्टूनिस्ट थे 'काक'। उनके कार्टून भी सत्ता की तीखी आलोचना करने वाले हुआ करते थे। ऐसे उदाहरणों की कमी नहीं है। यहां व्यंग्यकार शरद जोशी को याद करना भी ज़रूरी है। शासन को सही राह पर लाने की एक सार्थक कोशिश हुआ करता था उनका लेखन। उनके व्यंग्य हंसाते भी थे, और तिलमिलाते भी थे।

राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी से संकट बरकरार

ज्ञानेन्द्र रावत

बीते दिनों महाराष्ट्र नव निर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे ने गंगा की स्वच्छता पर सवाल उठाते हुए कहा कि आज देश की कोई नदी ऐसी नहीं है जो स्वच्छ हो और प्रदूषण मुक्त हो। विडम्बना यह है कि इसके बावजूद हम उन्हें स्वच्छ रखने में असफल रहे हैं। गौरतलब है कि गंगा की सफाई का जिम्मा केन्द्र सरकार के सात मंत्रालयों पर है, लेकिन हकीकत यह है कि गंगा अपने मायके से ही प्रदूषित हो रही है। उत्तराखंड सरकार की रिपोर्ट से खुलासा हुआ है कि गंगा कई स्थानों पर जल शोधन संयंत्र से छोड़े गए पानी से ही प्रदूषित है। एनजीटी को भी इस बारे में जानकारी है। यह स्थिति केवल गंगा की नहीं, बल्कि देश की दूसरी नदियों की भी है।

केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार, गंगा और यमुना जैसी नदियां कई दशकों से प्रदूषित हैं। परिणामस्वरूप, जलीय जीव संकट में हैं और मानव स्वास्थ्य भी गंभीर खतरे में है। अनियोजित शहरीकरण, बढ़ती आबादी और कारखानों से निकलने वाला गंदा पानी नदियों के अस्तित्व को खतरे में डाल रहा है, साथ ही यह भूमिगत जल को भी प्रदूषित कर रहा है। विज्ञान और पर्यावरण केन्द्र की रिपोर्ट के अनुसार, घरों, फैक्टरियों और संस्थानों से निकलने वाला 72 फीसदी गंदा पानी सीधे नदियों और झीलों में जा रहा है, जिससे पेयजल और अन्य उपयोग के लिए पानी का संकट बढ़ता जा रहा है। एनजीटी की रिपोर्ट के अनुसार, उत्तर प्रदेश में गंगा और उसकी सहायक नदियों में रोजाना 1100 मिलियन लीटर प्रति दिन (एमएलडी) सीवेज गिर रहा है। राज्य में गंगा किनारे बसे जिलों के 225 नाले सीधे नदियों में मिल रहे हैं, जबकि केवल 101 नाले एसटीपी (सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट) से जुड़े हैं। देश की राजधानी दिल्ली की जीवन रेखा यमुना हजारों करोड़ रुपये खर्च होने के बाद भी गंदे नाले से भी बदतर हालत में है। उसका पानी न केवल लोगों के स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा है, बल्कि वह पर्यावरण के लिए भी हानिकारक है। मौजूदा स्थिति यह है कि नई भाजपा सरकार नये संकल्प और यमुना सफाई के नये एजेंडे के साथ यमुना के पुनरुद्धार और कायाकल्प में जुटी है।

दिल्ली उच्च न्यायालय ने भी दिल्ली के 16 औद्योगिक क्षेत्रों में एसटीपी की कमी पर हैरानी जताई है और कहा है कि यमुना में बिना ट्रीटमेंट के अपशिष्ट पदार्थ खुलेआम गिराए जा रहे हैं। हकीकत यह है कि यहां एक-तिहाई क्षमता से एसटीपी काम कर रहे हैं और 11 क्लस्टरों के लिए प्लांट ही नहीं हैं। इसके लिए एसटीपी की क्षमता तीन गुना बढ़ानी होगी और निगरानी तंत्र को चौकस करना होगा, तभी कोई बदलाव की उम्मीद की जा सकती है। गौरतलब है कि दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति यमुना में प्रदूषण के लिए 60 फीसदी जिम्मेदार नजफगढ़ नाले को मानती है। असलियत यह है कि यमुना इतनी प्रदूषित हो चुकी है कि दिल्ली के अंदर और सीमा पर भी उसका जल नहाने लायक नहीं है। आंकड़ों के अनुसार, एक समय देश में करीब 15,000 छोटी-बड़ी नदियां थीं, जिनमें से 30 फीसदी से ज्यादा आज सूख चुकी हैं। 4500 से ज्यादा छोटी या मंझोली नदियां केवल बारिश के दिनों में बहती हैं, और बाकी आठ-नौ महीनों में वे मृतप्राय रहती हैं।

देश की राजधानी दिल्ली की जीवनदायिनी यमुना में बरसात के दिनों में भले जलस्तर बढ़ा रहता है, लेकिन बाकी आठ-नौ महीनों में इसका जलस्तर काफी कम हो जाता है। गर्मी के दिनों में स्थिति और भयावह हो जाती है। यही हालत देश के अन्य राज्यों की छोटी-बड़ी नदियों की है, जहां की नदियों के साथ-साथ झीलों का जलस्तर भी कम हो गया है। उत्तराखंड में पर्यटन के लिए विख्यात नैनीताल की झीलें इसकी जीती-जागती मिसाल हैं, जिनका जलस्तर कम हो रहा है। मध्य भारत की गंगा कहलाने वाली पौराणिक नदी बेतवा की बात करें तो उसके उद्गम स्थल ही सिमट गए हैं। मध्य प्रदेश सरकार ने 2024 में बेतवा के उद्गम स्थल में जल गंगा संवर्धन योजना शुरू करने की घोषणा की थी, लेकिन उसका अभी तक क्रियान्वयन नहीं हुआ है। सवाल यह है कि देश की नदियां साफ क्यों नहीं हो पा रही हैं। इस मामले में जल शक्ति मंत्रालय ने भी स्वीकार किया है कि इसमें सीवेज सिस्टम की खामी अहम कारण है।

असलियत में नदियों के किनारे बसे शहरों के सीवेज सिस्टम में सुधार में नाकामी के कारण सीवेज का गंदा पानी सीधे नदियों में गिरकर उन्हें विषाक्त कर रहा है। इसके लिए उन शहरों के नगर निकाय पूरी तरह जिम्मेदार हैं। हालात यह हैं कि कहीं शोधन संयंत्र देखभाल के अभाव में खराब पड़े हैं, कहीं उनकी शोधन क्षमता उतनी नहीं है जितनी होनी चाहिए, कहीं जरूरत के मुताबिक उनकी तादाद बहुत कम है, और कहीं बिजली आपूर्ति समय पर न होने के कारण वे पूरे समय काम नहीं कर पाते। कहीं-कहीं शोधन संयंत्रों से गंदे नाले जोड़े ही नहीं गए हैं, नतीजतन वे सीधे नदियों में गिर रहे हैं। हकीकत में सरकारें और नगर निकाय औद्योगिक रसायनयुक्त अपशिष्ट सीधे नालों या नदियों में गिरने से रोकने में नाकाम हैं। दुखद यह है कि इसके पीछे राजनीतिक इच्छाशक्ति का अभाव मुख्य कारण है। इसमें दो राय नहीं कि यदि नदियों को स्वच्छ और निर्मल बनाना है तो लॉकडाउन जैसी सख्ती बरतनी होगी, तभी कुछ बदलाव की उम्मीद की जा सकती है।

बादाम

डॉक्टर हर किसी को एक मुट्ठी बादाम खाने की सलाह देते हैं। यह स्वास्थ्य के लिए काफी लाभकारी होता है। यही नहीं, बादाम वजन बढ़ाने में भी काफी कारगर होता है। एक मुट्ठी बादाम में करीब 170 कैलोरी होती है। बादाम प्रोटीन का भी अच्छा सोर्स है। बादाम में काफी प्रोटीन होता है और जब इन्हें पानी में भिगोकर कुछ घंटों तक रख दिया जाता है तो इसमें मौजूद न्यूट्रिएंट्स को हमारे ब्लडस्ट्रीम में अवशोषित होने में आसानी हो जाती है। कई लोग बालों के झड़ने से परेशान रहते हैं तो भिगोई हुई बादाम आपको ज्यादा फायदा पहुंचा सकती है। भिगोई हुए बादाम में फायदा करता है। इन्हें खाने से बालों को मजबूती मिलने के साथ ही नए बालों की ग्रोथ होने लगती है। रोजाना भिगोया हुआ बादाम खाने से पाचनतंत्र मजबूत होता है. यह पेट के लिए फायदेमंद है। इसके सेवन से पेट अच्छे से साफ होता है। इसके सेवन से गैस, ब्लोटिंग, अपच जैसी समस्याओं से छुटकारा मिल सकता है।

वजन बढ़ाने के लिए डाइट में शामिल करें ये ड्राई फ्रूट्स

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में कोई अपने बढ़ते वजन को लेकर परेशान है तो कोई वजन न बढ़ने के कारण परेशान है। कुछ लोगों का वजन इतना कम होता है कि वह कुछ भी खा लें, लेकिन उनका वजन बिल्कुल भी नहीं बढ़ता है। अगर आप भी इस चीज से लंबे समय से परेशान हैं तो इसका सॉल्यूशन है। जिसका सेवन करने से कुछ ही दिनों में आपका वजन तेजी से बढ़ने लगेगा। ठंडी हो या गर्मी, ड्राई फ्रूट्स हर सीजन में काफी लाभकारी होते हैं और स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद भी। ड्राई फ्रूट्स में पोटैशियम, मैग्नीशियम, फैट, प्रोटीन और विटामिन भरपूर मात्रा में होते हैं। अगर आप सही तरीके से ड्राइ फ्रूट का सेवन करते हैं तो यह उम्र भर आपके शरीर को स्वस्थ रखने में मदद करता है और आप हेल्दी महसूस करते हैं। वजन बढ़ाने के लिए यह ड्राई फ्रूट्स कारगर हैं।

खजूर

अगर आप दुबले-पतले हैं तो अभी अपनी डाइट में खजूर को शामिल कर लीजिए। यह आपके वजन को तेजी से बढ़ाता है। बता दें कि अगर आप 24 ग्राम का खजूर खाते हैं तो इसमें आपको 66.5 ग्राम कैलोरी मिलेगी। यही नहीं, खजूर में मैग्नीशियम, कॉपर और आयरन का भी अच्छा सोर्स होता है। आप इसका सेवन दूध के साथ कर सकते हैं। खजूर में पोषक तत्वों का इतना भंडार है कि इसको वंडर फ्रूट भी मान सकते हैं। आयरन, मिनरल, कैल्शियम, अमीनो एसिड, फॉस्फोरस और विटामिन्स से भरपूर खजूर आपकी सेहत के साथ खूबसूरती भी निखारेगा। ग्लूकोज और फ्रक्टोज का खजाना खजूर मधुमेह में सहायक होने के साथ ही इम्यून पावर को भी बूस्ट करता है। इसमें कोलेस्ट्रोल नहीं होता है और एक खजूर से 23 कैलोरी मिलती है। इसके साथ ही यह सेल डैमेज, कैंसर से बचाव और दिल से जुड़ी समस्याओं से बचाव में भी बहुत कारगर है।

सूखे अंजीर

वजन तेजी से बढ़ाने के लिए सूखे अंजीर भी काफी कारगर होते हैं। ग्राम सूखे अंजीर में करीब 70 ग्राम कैलोरी होती है। अंजीर में आपको पर्याप्त फाइबर, प्रोटीन और कैल्शियम भी मिलता है। इसे आप दूध या फिर ओट्स के साथ खा सकते हैं। वजन तेजी से बढ़ाने के लिए सूखे अंजीर भी काफी कारगर होते हैं। ग्राम सूखे अंजीर में करीब 70 ग्राम कैलोरी होती है। अंजीर में आपको पर्याप्त फाइबर, प्रोटीन और कैल्शियम भी मिलता है। इसे आप दूध या फिर ओट्स के साथ खा सकते हैं। ये हमारी पाचन क्रिया को दुरुस्त करते हैं। इन्हें खाने आंत में अच्छे बैक्टीरिया का संतुलन बना रहता है। यह आंतों की सूजन और छाले ठीक करने में मदद करता है। यह पेट की गैस, कब्ज, अपच, एसिडिटी और अन्य पेट संबंधी समस्याओं के उपचार और इनसे बचाव में मदद करता है। शरीर की ताकत बढ़ाने और मजबूत बनाने के लिए इसे सबसे अच्छे ड्राई फ्रूट्स में से एक माना जाता है। यही कारण है कि पहलवान लोग भी अंजीर जरूर खाते हैं।

हंसना मना है

एक व्यक्ति नदी में डूब रहा था, व्यक्ति- बचाओ गणेश जी बचाओ.. गणेश जी आये और नाचने लगे, व्यक्ति- आप नाच क्यों रहे हो? गणेश जी- तू भी मेरे विसर्जन में बहुत नाचता है।

डॉक्टर- अब क्या हाल है? मरीज- पहले से ज्यादा खराब है। डॉक्टर- दवाई खाली थी क्या? मरीज- नहीं दवाई की शीशी तो भरी हुई थी। डॉक्टर- मेरा मतलब दवाई लेली थी? मरीज- आप ने दी तो मैंने लेली। डॉक्टर- बेवकूफ दवाई पिली थी? मरीज- नहीं दवाई तो लाल थी। डॉक्टर-गधे दवाई को पीलिया था? मरीज- नहीं जी पीलिया तो मुझे था।

पिंकी बहुत तेजी से स्कुटी चला रही थी, और उसने रेड लाइट क्रॉस कर दी.. ट्रैफिक पुलिस- चलो स्कुटी साइड में खड़ी करो, तुम्हारा चालान कटेगा। पिंकी- सर मुझे माफ कर दो पहली बार हुआ है। ट्रैफिक पुलिस- तुम्हें रेड लाइट नहीं दिखी थी क्या? पिंकी- दिखी तो थी पर आप नहीं दिखे, न जाने कहा छुप कर बैठे थे।

विणा अपने पति से- तुम सच में, बहुत सीधे साधे और भोले हो, तुम्हें कोई भी आसानी से बेवकूफ बना सकता है। पति- सच कह रही हो, शुरुवात तो तुम्हारे पापा ने ही की है।

कहानी | महिलामुख हाथी

बहुत समय पहले की बात है राजा चन्द्रसेन के अस्तबल में एक हाथी रहता था। उसका नाम था महिला मुख। महिला मुख हाथी बहुत ही समझदार, आज्ञाकारी और दयालु था। उस राज्य के सभी निवासी महिला मुख से बहुत प्रसन्न रहते थे। राजा को भी महिला मुख पर बहुत गर्व था। कुछ समय बाद महिला मुख के अस्तबल के बाहर चोरों ने अपनी झोपड़ी बना ली। चोर दिनभर लूट-पाट और मार-पीट करते और रात को अपने अड्डे पर आकर अपनी बहादुरी का बखान करते थे। चोर अक्सर अगले दिन की योजना भी बनाते कि किसे और कैसे लूटना है। उनकी बातें सुनकर लगता था कि वो सभी चोर बहुत खतरनाक थे। महिला मुख हाथी उन चोरों की बात सुनता रहता था। कुछ दिन बाद महिला मुख पर चोरों की बातों का असर होने लगा। महिला मुख को लगने लगा कि दूसरों पर अत्याचार करना ही असली वीरता है। इसलिए, महिला मुख ने फैसला लिया कि अब वो भी चोरों की तरह अत्याचार करेगा। सबसे पहले महिला मुख ने अपने महावत पर वार किया और महावत को पटक-पटक कर मार डाला। इतने अच्छे हाथी की ऐसी हरकत देखकर सारे लोग परेशान हो गए। महिला मुख किसी के काबू में नहीं आ रहा था। राजा भी महिला मुख का ये रूप देखकर चिंतित हो रहे थे। फिर राजा ने महिला मुख के लिए नए महावत को बुलाया। उस महावत को भी महिला मुख ने मार गिराया। इस तरह बिगड़ैल हाथी ने चार महावत कुचल दिए। महिला मुख के इस व्यवहार के पीछे क्या कारण था यह किसी को समझ नहीं आ रहा था। जब राजा को कोई रास्ता नहीं सूझा, तो उसने एक बुद्धिमान वैद्य को महिला मुख के इलाज के लिए नियुक्त किया। राजा ने वैद्य जी से आग्रह किया कि जितनी जल्दी हो सके महिला मुख का इलाज करें, ताकि वो राज्य में तबाही का कारण नहीं बन सके। वैद्य जी ने राजा की बात को गंभीरता से लिया और महिलामुख की कड़ी निगरानी शुरू की। जल्द ही वैद्य जी को पता चल गया कि महिला मुख में ये परिवर्तन चोरों के कारण हुआ है। वैद्य जी ने राजा को महिला मुख के व्यवहार में परिवर्तन का कारण बताया और कहा कि चोरों के अड्डे पर लगातार सत्संग का आयोजन कराया जाए, ताकि महिला मुख का व्यवहार पहले की तरह हो सके। राजा ने ऐसा ही किया। अब अस्तबल के बाहर रोज सत्संग का आयोजन होने लगा। धीरे-धीरे महिलामुख की दिमागी हालत सुधरने लगी। कुछ ही दिनों में महिला मुख हाथी पहले जैसा उदार और दयालु बन गया। अपने पसंदीदा हाथी के ठीक हो जाने पर राजा चंद्रसेन बहुत प्रसन्न हुए। चन्द्रसेन ने वैद्य जी की प्रशंसा अपनी सभा में की और उन्हें बहुत से उपहार भी प्रदान किए।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष
स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा, सावधानी रखें। बुरी खबर मिल सकती है। भागदौड़ अधिक रहेगी। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। मेहनत अधिक होगी।

तुला
सामाजिक कार्य करने में मन लगेगा। योजना फलीभूत होगी। कार्यस्थल पर परिवर्तन हो सकता है। कारोबार मनोनुकूल लाभ देगा। नौकरी में अधिकार बढ़ सकते हैं।

वृषभ
सामाजिक कार्य करने का मन लगेगा। मान-सम्मान मिलेगा। मेहनत का फल मिलेगा। कारोबार में वृद्धि के योग हैं। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे।

वृश्चिक
चोट व रोग से कष्ट हो सकता है। बेचैनी रहेगी। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। पूजा-पाठ में मन लगेगा। सत्संग का लाभ मिलेगा। प्रसन्नता बनी रहेगी।

मिथुन
पुरानी संगी-साथियों से मुलाकात होगी। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। फालतू खर्च होगा। स्वास्थ्य कमजोर रह सकता है। जल्दबाजी न करें। आत्मसम्मान बना रहेगा।

धनु
चोट व दुर्घटना से बड़ी हानि हो सकती है। पुराना रोग उभर सकता है। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। किसी व्यक्ति विशेष से कहासुनी हो सकती है।

कर्क
बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। भेंट व उपहार की प्राप्ति संभव है। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड से मनोनुकूल लाभ होगा।

मकर
यात्रा लाभदायक रहेगी। राजकीय सहयोग मिलेगा। सरकारी कामों में सहूलियत होगी। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। घर में सुख-शांति रहेंगे। झंझटों में न पड़ें।

सिंह
दुष्टजनों से सावधानी आवश्यक है। फालतू खर्च पर नियंत्रण नहीं रहेगा। हल्की मजाक करने से बचें। अपेक्षित काम में विलंब होगा। बेकार की बातों पर ध्यान न दें।

कुम्भ
ऐश्वर्य के साधनों पर खर्च होगा। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा। स्थायी संपत्ति के कार्य बड़ा लाभ दे सकते हैं। विवेक से कार्य करें।

कन्या
यात्रा लाभदायक रहेगी। संतान पक्ष से बुरी खबर मिल सकती है। डूबी हुई रकम प्राप्त होगी। रोमांस में सफलता मिलेगी। व्यापार-व्यवसाय से मनोनुकूल लाभ होगा।

मीन
पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बनेगा। आनंद के साथ समय व्यतीत होगा। मनपसंद व्यंजनों का लाभ मिलेगा। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। व्यापार मनोनुकूल लाभ देगा।

बॉलीवुड | मन की बात

अगर नेपोटिज्म से कोई फायदा होता तो आज मैं कहीं और होता : नील नितिन

नील नितिन मुकेश ने बॉलीवुड के सबसे चर्चित मुद्दे नेपोटिज्म पर बात की। इस पर उन्होंने अपने विचार प्रकट करते हुए नेपो किड को इंडस्ट्री में ज्यादा ग्लोरिफाई करने की बात कही है। आइए जानते हैं पूरी खबर कि अभिनेता ने क्या कहा। नील नितिन मुकेश ने एक न्यूज एजेंसी से बातचीत की, जहां उन्होंने नेपोटिज्म मुद्दे पर विचार प्रकट किए। बातचीत में अभिनेता ने कहा, 'अगर नेपोटिज्म से कोई फायदा होता तो आज मैं कहीं और होता।' साथ ही अभिनेता ने कहा, 'नेपो किड माफ कीजिए, हमारी फील्ड में ग्लोरिफाई ज्यादा किया जाता है, क्योंकि एक्टर होने के नाते हम कुछ भी करते हैं तो नोटिस किया जाता है। अगर डॉक्टर का बेटा डॉक्टर बनता है, तो उसे वहां भी नेपो किड कहा जा सकता है।' आगे बातचीत में नील नितिन मुकेश ने कहा कि अगर उनकी बेटी बड़ी होकर अभिनेत्री, लेखिका या फिल्म निर्माता बनना चाहती है, तो वह उसे सिर्फ सिखा सकते हैं। एक व्यवसाय के रूप में इसे सौंप नहीं सकते, लेकिन उम्मीद कर सकते हैं कि कोई उनकी विरासत को आगे ले जाए। अभिनेता ने कहा कि वह मुकेश जी के पोते हैं और नितिन मुकेश के बेटे। उन्होंने कहा कि वह तीसरी पीढ़ी में हैं और उनका नाम आगे बढ़ा रहे हैं, क्योंकि उन्हें बचपन से ही अभिनय का शौक था। साथ ही अभिनेता ने बताया कि बेशक उनके दादा और पिता इसी लाइन में थे, लेकिन वह जानते हैं कि एक फिल्म के बाद दूसरी फिल्म के लिए उन्हें कितना संघर्ष करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि एक स्टार का बेटा होने से ज्यादा दबाव होता है, क्योंकि हमेशा आपकी तुलना उनसे होती है। अभिनेता ने अपने करियर में जॉनी गद्दार, न्यूयॉर्क और जेल जैसी फिल्मों में काम किया है। साथ ही आपको बताते चलें कि वह मशहूर सिंगर नितिन मुकेश के बेटे और गायक मुकेश के पोते हैं। आखिरी बार अभिनेता की फिल्म हिसाब बराबर रिलीज हुई थी, जो एक ड्रामा फिल्म थी। यह फिल्म ओटीटी पर रिलीज की गई थी, जिसमें आर माधवन भी मुख्य भूमिका में नजर आए थे।

पूरब और पश्चिम का सितारा अस्त

अलविदा.....भारत कुमार

जब भी देशभक्ति फिल्मों की बात होगी, मनोज कुमार का नाम सबसे पहले आएगा। उन्होंने देशभक्ति को सिर्फ परदे पर नहीं, दिलों में भी उतारा। प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के कहने पर 'उपकार' बनाई। अमिताभ को जब इंडस्ट्री छोड़नी थी, तब उन्हें मौका दिया। अब 'भारत कुमार' हमारे बीच नहीं रहे, लेकिन उनकी शख्सियत, उनका किरदार, उनकी फिल्में हमेशा जिंदा रहेंगी।

मनोज कुमार ने एक इंटरव्यू में बताया था कि वह हिंदी फिल्मों में हीरो बनने के लिए आए थे। लेकिन फिल्ममेकर लेखराज भाकड़ी, कुलदीप सहगल जिन्हें वह भाई साहब कहा करते थे, उन्होंने मनोज को फिल्म 'फैशन(1957)' में 90 साल के भिखारी का रोल दिया, उस समय अभिनेता की उम्र महज 19 साल थी। ऐसे में मनोज ने कुलदीप और लेखराज जी से पूछा कि आपने मेरे बारे में क्या सोचा है? इस पर उनका मनोज कुमार को जवाब था, 'अभी तो तुम्हारा एक जूता भी नहीं घिसा है। यहां लोगों की उम्र निकल जाती है।' इसके बाद मनोज कुमार ने ठान लिया कि अब तक हिंदी फिल्मों में नाम बनाना है, यही उम्र भर काम करना है।

मनोज कुमार जब हीरो बनने के लिए संघर्ष कर रहे थे उसी दौरान उन्हें अशोक कुमार यानी दादा मुनि की फिल्म का एक सीन लिखने का मौका मिला। इस सीन के लिए उन्हें 11 रुपये मिले थे। मनोज कुमार बताते हैं, 'प्रोड्यूसर रोशन लाल मल्होत्रा 'जमीन और आसमान' नाम की फिल्म बना रहे थे, एक दिन वह स्टूडियो में परेशान बैठे थे। मैंने पूछा क्या हुआ मल्होत्रा साहब? वे बोले कि फिल्म के हीरो अशोक कुमार की डेट्स बड़ी मुश्किल से मिली हैं, लेकिन अब उन्हें फिल्म का एक सीन पसंद नहीं आ रहा है। इस पर मैंने कहा कि लाइए मैं इस सीन को दोबारा लिख देता हूं। मैंने सीन लिखा और ये अशोक कुमार जी को बहुत पसंद आया। प्रोड्यूसर रोशन लाल मल्होत्रा ने इसके लिए मुझे 11 रुपये दिए। इसके बाद मुझसे कई प्रोड्यूसर आकर फिल्मों के सीन लिखवाने लगे।' राइटिंग करने के अलावा मनोज कुमार फिल्मों में हीरो बनने का प्रयास करते रहे, फिल्में करते रहे।

मनोज कुमार ने अपने करियर में कई ऐसी फिल्में बनाई जिसमें देशप्रेम की भावना नजर आई। दर्शक ये फिल्में देखकर भाव-विभोर हो जाते थे। ये देशप्रेम की भावना मनोज कुमार के मन में शुरुआत से रही। उन्होंने शुरुआती करियर में ही एक डॉक्यूमेंट्री फिल्म 'गंगू तेली' की, यह फिल्म खादी का प्रचार करने के लिए बनाई गई थी। इस फिल्म में काम करने के लिए उन्हें 1000 रुपये मिले थे। मनोज कुमार जब 25 साल के हुए तो शशि गोस्वामी से प्रेम विवाह कर किया। शादी से पहले उन्होंने एक फिल्म 'हरियाली और रास्ता(1962)' खत्म की थी। इस फिल्म के लिए मनोज कुमार को 11 हजार रुपये साइनिंग अमाउंट मिला था। लेकिन यह फिल्म उनकी शादी के बाद रिलीज हुई। यह मनोज कुमार की पहली फिल्म थी, जो सिल्वर जुबली रही। ऐसे में मनोज कुमार की पत्नी अकसर कहा करती थीं कि उनके गुड लक के कारण ऐसा हुआ। मनोज कुमार भी मजाक में कहा कहते थे, 'हां, मैं तो मजदूर आदमी हूं।'

एक अक्टूबर को रिलीज होगी धनुष की फिल्म इडली कड़ाई

साउथ सुपरस्टार धनुष इन दिनों अपने व्यस्त प्रोफेशनल शेड्यूल के कारण चर्चा में हैं। अभिनेता के पास न केवल कई प्रोजेक्ट हैं, बल्कि वह अपने निर्देशन पर भी ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। उनकी फिल्म इडली कड़ाई भी दर्शकों को खास ध्यान आकर्षित कर रही है। इस फिल्म को आगे के लिए टाल दिया गया था। आखिरकार धनुष ने अब फिल्म की रिलीज की तारीख का एलान कर दिया है।

इडली कड़ाई के अभिनेता और निर्देशक धनुष ने एक नए पोस्टर के साथ अपनी फिल्म की रिलीज की तारीख की घोषणा की। पोस्टर में अभिनेता को एक कुरकुरी शर्ट और धोती पहने नजर आए, जो त्योहार जैसे सेट-अप में लोगों के एक समूह के साथ डांस कर रहे हैं। पहले, फिल्म को 10 अप्रैल को रिलीज किया जाना था, जो अजीत कुमार की गुड बैड अग्ली के साथ क्लैश करने वाली थी। बाद में बॉक्स-ऑफिस क्लैश से बचने के लिए इसे पोस्टपोन कर दिया गया। शुक्रवार 4 अप्रैल 2025 को धनुष ने फिल्म का एक पोस्टर शेयर किया और घोषणा की कि यह 1 अक्तूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। पा पांडी, रायन और निलावुक्कू एन मेल एन्नाडी कोबम के बाद इडली कड़ाई धनुष की चौथी निर्देशित फिल्म है। इडली कढ़ाई का निर्देशन करने के अलावा वह फिल्म में अहम भूमिका भी निभा रहे हैं।

अजब-गजब | आजतक जो भी यहां गया वापस लौटकर नहीं आया

भारत की वो जगह, जहां जाना तो दूर, झांकने पर भी बैन, घुसते ही मिलेगी सजा-ए-मौत

भारत एक डेमोक्रेटिक देश है। यहां के नागरिक पूरे देश में कहीं भी जा सकते हैं। चाहे जॉब के सिलसिले में हो या घूमने के पर्पस से, भारतीय देश के किसी भी हिस्से में आने-जाने के लिए स्वतंत्र हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि भारत में एक ऐसी जगह है, जहां जाने पर इंडियंस के ऊपर बैन लगा है। इस जगह पर जाने की गलती करना यानी अपने प्राण को खतरे में डालना। आजतक जिसने भी इस जगह पर जाने की कोशिश की है, उसकी जान चली गई है।

आपने ये तो देखा होगा कि भारत में बाहर से आने वाले लोगों को वीजा की जरुरत होती है लेकिन एक ऐसी जगह है जहां वीजा या पासपोर्ट के साथ भी एंट्री बैन है। जिसने भी यहां जाने की कोशिश की है, उसे अपनी जान से हाथ गंवाना पड़ा है। हम बात कर रहे हैं नॉर्थ सेंटिनल द्वीप की। इस आइलैंड पर बाहर से जाने वाले लोगों को मौत की सजा दी जाती है। इस वजह से यहां बाहरी लोगों के जाने पर बैन लगा है।

अंडमान और निकोबार आइलैंड का हिस्सा इस द्वीप पर बाहरी लोगों का प्रवेश निषेध है। हाल ही में इस द्वीप पर एक अमेरिकी शख्स ने एंट्री ली। 24

साल के मिखाइलो विक्ट्रोविच पोल्याकोव ने बिना परमिशन के इस द्वीप में एंट्री ली थी। शख्स 26 मार्च को पोर्ट ब्लेयर गया था और इसके बाद चुपके से आइलैंड में घुस गया। इसके बाद 31 मार्च को उसे पुलिस ने अरेस्ट कर लिया। शख्स की गिरफ्तारी की जानकारी गृह विभाग को दी गई है।

बता दें कि नॉर्थ सेंटिनल द्वीप सेंटिनली लोग रहते हैं। ये जनजाति विलुप्त होने के कगार पर है। इन्हें दुनिया की अंतिम प्री-नियोलिथिक ग्रुप का माना जाता है जो 12,000 से 8,500 साल ईसा पूर्व की जनजाति है। इस द्वीप पर मात्र पांच सौ लोग रहते हैं। ये लोग बाहर की दुनिया से पूरी तरह कटे हुए हैं। बाहर से आए किसी भी शख्स को ये लोग मार देते हैं। 2018 में एक शख्स ने यहां के लोगों से मुलाकात करने की कोशिश की थी लेकिन उसकी हत्या कर दी गई थी। इसके बाद 2006 में मछली पकड़ते दो मछुआरे गलती से इस द्वीप पर जा पहुंचे थे। उनकी भी जान ले ली गई थी।

इस जंगल में मिले रहस्यमयी निशान, लोगों ने कहा ये पाण्डवों के खेल के चिन्ह हैं

केरी। गोवा के कणकोण इलाके के मारली गांव में कुछ लोगों को दो बड़े पत्थरों पर अजीब गोल निशान मिले हैं। ये निशान गलगिबागा नदी की एक सहायक धारा के पास, बेतालकाडलो व्हाल नाम की एक छोटी नाली में मिले।

मारली, पोईगिनिम गांव का एक छोटा हिस्सा है और इसका जंगल कर्नाटक के करवार जिले के मैनगिनी जंगल से जुड़ता है। ये दोनों पत्थर मैनगिनी जंगल में पाए गए। एक पत्थर पर 45 गोल निशान हैं और दूसरे पर 21।

स्थानीय आदिवासी 76 साल के नारायण पुनो गावंकर ने कहा, मैं 15 साल की उम्र से इन गोल निशानों को देखता आ रहा हूं। हमारे बुजुर्ग इन्हें 'गुल्यो' कहते थे। उनका मानना था कि जब पांडव इस जंगल में आए थे, तो उन्होंने खेल खेलने के लिए ये निशान बनाए थे।

सोमनाथ गावंकर, जो इस खोज में शामिल थे, ने बताया, स्थानीय मान्यता है कि यहां पहले बेताल की एक पत्थर की मूर्ति थी, इसलिए इस जगह को बेतालकाडलो व्हाल कहा गया। हालांकि अब वो मूर्ति कहीं नहीं मिलती. लेकिन जंगल को आज भी लोग सुरक्षित रखते हैं। बता दें कि यह पहली बार है जब गोवा में मेटा बेसाल्ट चट्टानों पर इतने ज्यादा कपुल्स मिले हैं। इससे पहले बिचोलिम और बार्देज के कुछ इलाकों में भी ऐसे चिन्ह मिले थे, जिन्हें 'मंकला' बोर्ड गेम से जोड़ा गया था। बता दें कि मारली के ये निशान अब आगे की पुरातात्विक जांच की मांग करते हैं। ये खोज इतिहास के कुछ अनसुने राज़ खोल सकती है।

जनता के मुद्दों को तेजी से उठाएं कार्यकर्ता : राहुल

उत्तर प्रदेश कांग्रेस के जिलाध्यक्ष होंगे सशक्त

» बोले- कामकाज के आधार पर तय होगा कार्यकर्ताओं का भविष्य

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस के यूपी कांग्रेस के जिलाध्यक्षों और शहर अध्यक्षों को दिल्ली में सशक्तीकरण के टिप्स दिए गए। शीर्ष नेताओं ने उन्हें भाजपा की हर साल से आगाह किया गया तो उनके अधिकार भी बताए गए। संगठनात्मक कौशल सिखाया गया तो सोशल मीडिया पर वार करने का सलीका भी सिखाया गया। भरोसा दिया गया कि उन्हें उम्मीदवार तय करने का अधिकार मिलेगा। वहीं राहुल गांधी ने दो टूक कहा कि पार्टी में भीड़तंत्र के बजाय जनता के मुद्दे को लेकर जुझारूपन दिखाने वाले कार्यकर्ताओं की जरूरत है। राष्ट्रीय और प्रदेश मुख्यालय की तरह की जिला स्तर पर भी पंचायत और विधानसभा चुनाव के दौरान उम्मीदवार चयन कमेटी बनेगी।

दिल्ली के इंदिरा भवन में आयोजित सभी जिलाध्यक्षों एवं शहर अध्यक्षों की बैठक में वर्ष 1970 की तर्ज पर संगठन को सक्रिय करने और सियासी रणनीति बनाने पर जोर दिया गया। नेता प्रतिपक्ष ने सभी जिला एवं शहर अध्यक्षों से परिचय जाना। कांग्रेस नेता ने आश्वासन दिया कि जिला और शहर अध्यक्ष स्तर से तय किए गए उम्मीदवारों पर गंभीरता से विचार किया जाएगा। जिला स्तर की कमेटी से आने वाले उम्मीदवार के नाम परिवर्तन करते वक्त उनकी सहमति ली जाएगी और तर्क भी दिया जाएगा।

बाहरी के बजाय कांग्रेस से जुड़े पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को ही उम्मीदवार बनाया जाएगा। राहुल ने जिला व शहर अध्यक्षों का हौंसला बढाया। उन्हें भरोसा दिया कि संगठन को हर स्तर पर सशक्त किया जाएगा। जिलाध्यक्ष अपनी कमेटी बनाने के लिए स्वतंत्र हैं। उनके भी कामकाज का आकलन हर तीन माह में किया जाएगा। छह माह तक बेहतर कार्य नहीं करने वाले जिलाध्यक्षों को पद से हटा दिया जाएगा। इसी तरह कमेटी में शामिल पदाधिकारी जिला और ब्लाक स्तर पर होने वाली तीन बैठक में लगातार अनुपस्थित रहते हैं तो उन्हें गंभीर नहीं माना जाएगा और पद से हटाया जा सकेगा। भाजपा सहित दूसरे दल से निरंतर संपर्क में रहने वालों को भी चिन्हित किया जाएगा।

हर ब्लॉक में कांग्रेस खोलेगी कार्यालय

बैठक के दौरान तय किय गया कि कांग्रेस ब्लॉक स्तर पर कार्यालय खोलेगी। जिन जिलों में अभी तक कार्यालय नहीं है, वहां भी इंतजाम किया जाएगा। ब्लॉक कार्यालय में आने वाली हर शिकायत का निस्तारण कराया जाएगा। ब्लॉक कमेटी के सदस्य आपस में एक-एक दिन कार्यालय में बैठेंगे और सुनवाई भी करेंगे।

संघ की हर चाल से सावधान रहने की जरूरत : खरगे

राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने जिलाध्यक्षों एवं शहर अध्यक्षों को सचेत करते हुए कहा कि राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की हर चाल से सावधान रहने की जरूरत है। भाजपा की ओर से संविधान खत्म करने के लिए चली जा रही हर चाल से सचेत रहना होगा और कार्यकर्ताओं को भी आगाह करना होगा। जिलाध्यक्ष और शहर अध्यक्ष सोशल मीडिया पर चल रही गतिविधियों पर ध्यान रखें। अनायास किसी तरह के विवाद में पड़ने से बचें। अपनी बात को तार्किक तरीके से रखने के सलीके भी बताए गए।

वक्फ संशोधन बिल के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंचे ओवैसी

» बिहार के कांग्रेस सांसद ने भी दायर की याचिका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लोकसभा और राज्यसभा से पास हुए वक्फ संशोधन बिल को एआईएमआइएम के अध्यक्ष और हैदराबाद सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई है। ओवैसी से पहले बिहार के कांग्रेस सांसद मोहम्मद जावेद ने वक्फ संशोधन बिल के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। ऐसे में अभी तक वक्फ बिल के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में दो याचिका दाखिल कर दी गई है।

राज्यसभा से बिल पास होने के बाद कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने कहा था कि कांग्रेस सुप्रीम कोर्ट जाएंगी। तमिलनाडु की डीएमके ने भी याचिका लगाने की बात कही थी। अब कांग्रेस सांसद मोहम्मद जावेद ने वक्फ बिल के खिलाफ पहली याचिका पेश की है। उन्होंने याचिका में कानून को मुस्लिम समुदाय के प्रति भेदभावपूर्ण और उनके मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करने वाला बताया। याचिका में यह भी कहा गया है कि वक्फ बोर्ड और केंद्रीय वक्फ परिषद की संरचना में संशोधन कर उसमें वक्फ प्रशासनिक निकायों में गैर-मुस्लिम सदस्यों को शामिल करना अनिवार्य किया गया है। ये करना धार्मिक शासन में अनुचित हस्तक्षेप है। इसके विपरीत, हिंदू धार्मिक न्यास विभिन्न राज्य अधिनियमों के तहत विशेष रूप से हिंदुओं द्वारा प्रबंधित किए जाते हैं।

नक्सलियों के मामले में गृहमंत्री ने लिखी है स्क्रिप्ट : दीपक बैज

» कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने पूछा- शाह के बस्तर आते ही नक्सलियों की एक चिट्ठी क्यों आती है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जगदलपुर। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि अमित शाह छत्तीसगढ़ आ रहे है, बस्तर जायेंगे। यह समझना पड़ेगा कि शाह बार-बार बस्तर क्यो आ रहे हैं? छत्तीसगढ़ में जब 15 साल से भाजपा की सरकार थी तब तक बस्तर नहीं आये लेकिन अब क्यों आ रहे हैं? यह कांग्रेस पार्टी का सवाल है, शाह बस्तर आते हैं तब नक्सलियों की एक चिट्ठी आती है कि हम चर्चा के लिये तैयार हैं। युद्ध विराम के लिये तैयार हैं। यह एक तरह शाह के लिये तैयार की गई स्क्रिप्ट है, पॉलिटिकल स्टंट है।

ताकि शाह बस्तर में जाकर बोले की हमारी सरकार की कार्यवाही से नक्सली डर गये और सरेंडर कर रहे हैं। यह सोची समझी प्लानिंग के तहत काम किया जा रहा है। शाह का बस्तर आने का मकसद नक्सलवाद का खात्मा करना नहीं बल्कि उनके चहेते उद्योगपतियों के जल, जंगल, जमीन, माइंस देने के लिए रास्ता तैयार करने आ रहे हैं। बस्तर में बहुत से मूल्यवान खनिज हैं इसलिये उद्योगपतियों के लिये जमीन तलाश करने आये हैं।

वार्षिकोत्सव स्पंदन में छात्रों का सम्मान

» महाराजा बिजली पासी राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय आशियाना में जुटे दिग्गज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कई पुस्तकों का हुआ विमोचन

महाविद्यालय के विभिन्न विभागों द्वारा विभिन्न प्राध्यापको द्वारा लिखी गई पुस्तकों का भी विमोचन मुख्य अतिथि द्वारा किया गया। इसके साथ-साथ और महाविद्यालय की पत्रिका विधा का भी विमोचन किया गया।

लखनऊ। महाराजा बिजली पासी राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय आशियाना लखनऊ में वार्षिकोत्सव 2024-25 स्पंदन का बड़े हर्षोल्लास के साथ आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में सुषमा खर्कवाल, महापौर लखनऊ, उपस्थित रही। साथ ही भावना चौहान आर्या, समाजसेवी, भी विशिष्ट अतिथि के रूप में कार्यक्रम में उपस्थित रहीं। कार्यक्रम आरम्भ दीप प्रज्वलन एवं प्राचार्य प्रो सुमन गुप्ता के द्वारा मुख्य अतिथि के स्वागत से हुआ।

उक्त कार्यक्रम में महाविद्यालय की सत्र 2024 -25 की वार्षिक आख्या अंग्रेजी विभाग की प्राध्यापिका डॉ सरिता सिंह द्वारा प्रस्तुत की गई। महाविद्यालय की वरिष्ठ प्राध्यापिका डॉ किरण यादव को पुष्प, अंग वस्त्र और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ सुमन गुप्ता द्वारा मुख्य अतिथि का स्वागत उद्बोधन किया गया। तदुपरांत महाविद्यालय के छात्र छात्राओं द्वारा मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति की गई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि द्वारा महाविद्यालय के विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं जैसे नेट जेआरएफ में सफल मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। इसके अलावा महाविद्यालय के विभिन्न विभागों में सर्वोच्च अंक प्राप्त छात्रों को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ राघवेंद्र मिश्रा के द्वारा किया गया। कार्यक्रम का धन्यवाद ज्ञापन समारोहिका डॉ सनोबर हैदर द्वारा किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के सभी प्रवक्ता एवं कर्मचारी गण उपस्थित रहे।

लखनऊ का मुंबई इंडियंस पर दबदबा बरकरार

» 12 रनों से जीत हासिल कर अंक तालिका में छठे नंबर पर पहुंची एलएसजी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ सुपर जाएंट्स ने रोमांचक मुकाबले में मुंबई इंडियंस को 12 रनों से हराकर आईपीएल 2025 में अपनी दूसरी जीत दर्ज की। लखनऊ ने टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए मिचेल मार्श और एडेन मार्करम के अर्धशतकों के दम पर 20 ओवर में आठ विकेट पर 203 रन बनाए। जवाब में सूर्यकुमार यादव ने भी पचासा जड़ा लेकिन उनकी कोशिश बेकार गई और मुंबई निर्धारित ओवर में पांच विकेट पर 191 रन ही बना सकी।

लखनऊ का मुंबई इंडियंस के खिलाफ रिकॉर्ड शानदार है और उसने इस मैच में भी अपना दबदबा बरकरार रखा है। लखनऊ का मुंबई के खिलाफ अब जीत हार का रिकॉर्ड 6-1 हो गया है। लखनऊ इस मैच में जीत के साथ ही अंक तालिका में छठे स्थान पर पहुंच गई है। वहीं, मुंबई ने भी चार मैच में एक जीत तथा तीन हार के साथ सातवें स्थान पर है। लक्ष्य का पीछा करते हुए मुंबई की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 17 रन के अंदर विल जैक्स और रियान रिक्लेटन के विकेट गंवा दिए। इसके बाद सूर्यकुमार और नमन धीर ने पारी को संभाला और शानदार बल्लेबाजी करते हुए तीसरे विकेट के लिए 69 रन जोड़े। इससे पहले मुंबई के लिए कप्तान हार्दिक पांड्या ने शानदार गेंदबाजी की और चार ओवर में 36 रन देकर पांच विकेट झटके। वहीं मार्श ने पावरप्ले में आक्रामक बल्लेबाजी की और 31 गेंदों पर नौ चौकों और दो छक्कों की मदद से 60 रन बनाकर आउट हुए। अंतिम ओवरों में डेविड मिलर ने अपना दम दिखाया और लखनऊ का स्कोर 200 के पार पहुंचाया।

तिलक बने रिटायर्ड आउट होने वाले चौथे बल्लेबाज

लखनऊ। लखनऊ और मुंबई के बीच खेले गए मैच में एक फैसले ने क्रिकेट जगत को चौंका कर रख दिया। दरअसल, मैच में एक अहम मोड़ पर मुंबई के कप्तान से बातचीत करने के बाद तिलक वर्मा ने रिटायर्ड आउट होने का फैसला लिया। उस वक्त मुंबई को जीत के लिए सात गेंद में 24 रन की जरूरत थी। इस फैसले ने सोशल मीडिया पर हलचल मचा दी है। तिलक मुंबई के लिए इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर मैदान पर आए थे। तिलक की जगह मिचेल सैंटनर बल्लेबाजी के लिए आए जो कि बड़े हिट्स के लिए नहीं जाने जाते हैं। नतीजा यह हुआ कि न तो हार्दिक और न ही सैंटनर आखिरी ओवर में कोई बड़ी हिट लगा पाए। तिलक आईपीएल में रिटायर्ड आउट होने वाले चौथे बल्लेबाज बने। उनसे पहले आर अश्विन (2022), अथर्व तायदे (2023), साई सुदर्शन (2023) ऐसा कर चुके हैं।

मणिपुर मामले में भाजपा सरकार जवाबदेही से बच रही : पायलट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। कांग्रेस महासचिव सचिन पायलट ने भाजपा सरकार पर जमकर हमला बोला है। उन्होंने कहा, अमेरिका ने आर्थिक अतिक्रमण कर रखा है, टैरिफ बढ़ा दिए गए हैं, करोड़ों लोगों के रोजगार पर खतरा मंडरा रहा है, ऐसे में सरकार ध्यान भटकाने की कोशिश कर रही है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि मणिपुर में राष्ट्रपति शासन से जुड़ा बिल रात 2 बजे पेश किया गया, जिससे साफ है कि सरकार जवाबदेही से बच रही है।

वह दौसा जिले के रलावता गांव पहुंचे, जहां उन्होंने स्वर्गीय राजेश पायलट की प्रतिमा का अनावरण किया। प्रतिमा अनावरण के बाद बातचीत करते हुए सचिन पायलट ने केंद्र और राज्य सरकार पर कई गंभीर आरोप लगाए और नीतियों को विफल बताया। पायलट ने वक्फ संशोधन बिल को लेकर कहा कि सरकार ऐसे समय में यह बिल ला रही है जब देश की अर्थव्यवस्था दबाव में है। राजस्थान में पेपर लीक घोटाले पर सचिन पायलट ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि, सरकार बनने से पहले बड़े मगरमच्छ पकड़ने की बात की गई थी, लेकिन केवल चार-पांच छोटे लोगों को ही गिरफ्तार किया गया। बड़े आरोपियों को बचाया जा रहा है। उन्होंने आशंका जताई कि सरकार इस मामले में कुछ छिपाने की कोशिश कर रही है और युवाओं के साथ न्याय नहीं हो रहा है।

सीएम भजनलाल पर साधा निशाना

न एमएसपी कानून बना, न बोनस मिला

पायलट ने केंद्र सरकार को घेरते हुए कहा कि किसानों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर कानून नहीं बनाया गया और राज्य सरकार ने बोनस की भी घोषणा नहीं की है। उन्होंने कहा, प्रदेश में प्रशासनिक नियंत्रण की स्थिति बेहद कमजोर है, सीकर और भीलवाड़ा में पुलिस पर हमले इसके प्रमाण हैं।

राइजिंग राजस्थान नहीं, लाइजिंग राजस्थान है

'राइजिंग राजस्थान' इन्वेस्टमेंट समिट पर तंज कसते हुए सचिन पायलट ने कहा कि 35 लाख करोड़ रुपये के एमओयू जनता को लुभाने के लिए जल्दबाजी में किए गए हैं। उन्होंने कहा, न निवेश आ रहा है और न ही उद्योगपति सरकार के फोन उठा रहे हैं। यह सब सिर्फ दिखावा है।

पंचतत्व में विलीन हुए मनोज कुमार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। भारतीय सिनेमा के दिग्गज अभिनेता मनोज कुमार का 4 अप्रैल को सुबह करीब 3:30 बजे निधन हुआ। शनिवार को उनका अंतिम संस्कार जुहू के पवनहंस श्मशान घाट में किया गया। यहां अमिताभ बच्चन, प्रेम चोपड़ा और राजपाल यादव समेत कई कलाकार उन्हें अंतिम विदाई देने पहुंचे। अभिनेता और राजनेता राज बब्बर ने अभिनेता मनोज भारत कुमार के अंतिम संस्कार में शामिल होने के बाद कहा, भारतीय फिल्म इंडस्ट्री ने एक रत्न खो दिया है, जिन्होंने हमेशा भारत की गरिमा, स्वतंत्रता सेनानियों और देशभक्तों को अपनी फिल्मों के माध्यम से श्रद्धांजलि अर्पित की।

उन्होंने भारत की महिमा को देश और विदेश में लोगों के सामने पेश किया। वह एक लेखक, अभिनेता, निर्देशक और एक नेक इंसान थे। उन्होंने हमेशा अपने प्यार से लोगों के दिलों में जगह बनाई। मुझे याद है जब मैं शहीद उधम सिंह. फिल्म की शूटिंग शुरू करने जा रहा था तो मैं उनके आशीर्वाद के लिए उनके पास गया, उन्होंने मुझे आशीर्वाद दिया और मैंने उनसे कहा कि वह मुझे प्रेरित करते हैं। भगत सिंह को उनके चेहरे से पहचाना जाएगा। वह एक प्रेरणादायक व्यक्ति थे। उन्होंने फिल्म की टीम से मुलाकात की, बदलाव के सुझाव दिए, जिन्हें हमने फिल्म में शामिल किया। मैं उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। उन्हें भारत रत्न पुरस्कार मिलना चाहिए।

जम्मू-कश्मीर में खिंची एलजी व सीएम उमर के बीच तलवार

- 48 जेकेएएस अधिकारियों के तबादले पर रार
- उमर अब्दुल्ला एलजी सिन्हा से नाराज
- सीएम ने केंद्र को लिख डाला पत्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा और मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के बीच मतभेद पहली बार खुलकर सामने आया है। ताजा मामला हाल ही में सिन्हा के कार्यालय द्वारा 48 जेकेएएस अधिकारियों के तबादले का है। बताया जा रहा है कि इसे कथित तौर पर निर्वाचित सरकार से परामर्श किए बिना किया गया। सत्तारूढ़ गठबंधन- जिसमें नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी), कांग्रेस और निर्दलीय विधायक शामिल हैं- ने एलजी पर लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को दरकिनार करने का आरोप लगाया है।

सूत्रों ने बताया कि सीएम उमर, उपराज्यपाल मनोज सिन्हा द्वारा 48 जेकेएएस अधिकारियों के तबादले से खुश नहीं हैं। सीएम ने स्थिति पर अपनी नाराजगी व्यक्त करते हुए गृह मंत्रालय को पत्र भी लिखा है। केंद्र शासित प्रदेश में मध्यम और निचले स्तर के अधिकारियों के तबादले के आदेशों से नाखुश सीएम उमर ने गृह मंत्रालय को पत्र लिखकर केंद्र से इस पर ध्यान देने को कहा है और एलजी द्वारा मध्यम और निचले स्तर के अधिकारियों के तबादले पर अपनी नाराजगी व्यक्त की है।

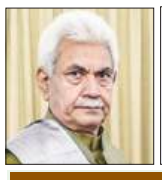

उमर सरकार उपराज्यपाल के हस्तक्षेप से नाराज

एनसी के सूत्रों ने कहा कि उमर सरकार इन आदेशों को शासन के मामलों में एलजी द्वारा हस्तक्षेप और नौकरशाही पर पूर्ण नियंत्रण करने के प्रयास के रूप में देखती है। उन्होंने कहा कि उपराज्यपाल आईएएस अधिकारियों के तबादलों का आदेश देने के हकदार हैं और निर्वाचित सरकार को इस पर कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन जेकेएएस अधिकारियों का तबादला जम्मू-कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश में निर्वाचित सरकार का अधिकार क्षेत्र माना जाता है।

उमर अब्दुल्ला ने ली बैठक

श्रीनगर में उमर अब्दुल्ला की अध्यक्षता में गठबंधन की एक आपातकालीन बैठक हुई, जिसमें नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष डॉ. फारूक अब्दुल्ला समेत वरिष्ठ नेता शामिल हुए। बैठक दो प्रमुख प्रस्तावों के साथ संपन्न हुई- एक हाल ही में संसद में पारित वक्फ विधेयक की निंदा करने वाला और दूसरा केंद्र से जम्मू-कश्मीर में लोगों के जनादेश का सम्मान करने का आग्रह करने वाला। हालांकि, लेफ्टिनेंट गवर्नर सिन्हा दृढ़ रहे। उन्होंने एक साक्षात्कार में कहा, मैंने जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम के बाहर कुछ भी नहीं किया है। मैं अपने अधिकार क्षेत्र में हूं और कभी भी अपनी सीमाओं को पार नहीं करूंगा। अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली सरकार ने पहले निर्वाचित सरकार और एलजी के बीच शक्तियों के विभाजन को परिभाषित करने वाले नए व्यावसायिक नियम प्रस्तुत किए थे। नियमों का उद्देश्य एलजी के सर्वोच्च अधिकार को कम करना है। हालांकि, केंद्र ने अभी तक उन्हें मंजूरी नहीं दी है।

शराब ठेका खुलने से क्षेत्रवासी नाराज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। हुसैनगंज थाना क्षेत्र के उदयगंज चौराह पर शराब ठेका खुलने से क्षेत्रवासी नाराज हो गए हैं। क्षेत्रवासियों ने इसके को विरोध में धरना प्रदर्शन किया। भारी भीड़ को देखते हुए पुलिस बल मौके पर तैनात है। लोगों का आरोप है चौराहे के पास चंद कदम की दूरी पर मस्जिद और मंदिर बना हुआ है। वहीं धरना कर रहे है क्षेत्र वासियों में से पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार उसमें एक सामाजिक कार्यकर्ता इस्लाम अली को पुलिस थाने ले गई है। लोगों का आरोप है कि ट्रस्ट की जमीन पर शराब की दुकान का आवंटन कैसे किया गया।

स्वच्छता में अच्छा काम करने वालों का सम्मान

सीटीयू के लिए नगर निगम में मथुरा बना प्रथम, नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ने बांटे पुरस्कार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने कहा कि प्रदेश के नगरीय निकायों में स्वच्छता व साफ-सफाई की अच्छी शुरूआत हुई हैं लेकिन अभी मंज़िल तक पहुचना बाकी हैं। दुनिया में साफ-सफाई, स्वच्छता और सैनिटेशन की बेहतर व्यवस्थाएं हैं। हमें भी अपने निकायों को वैश्विक स्तर के मापदण्डों के अनुरूप बनाना हैं।

उन्होंने कहा कि विभाग की ज़िम्मेदारी मिलने के 5 दिन के अन्दर ही डीसीसीसी की व्यवस्था संचालित की गयी, जिसके अच्छे परिणाम आयें हैं। लोगों की समस्याओं का समयबद्ध निस्तारण भी हुआ है। लेकिन अभी बहुत कुछ करना बाकी हैं। उन्होंने निकाय कार्यों की लाइव मॉनिटरिंग के लिए सभी जिला मुख्यालय वाले निकायों में ए.आई. आधारित कैमरे स्थापित करने के निर्देश दिये। नगर विकास मंत्री ने वर्ष 2024 में स्वच्छता ही सेवा, स्वच्छ घाट प्रतियोगिया और डीसीसीसी में उत्कृष्ट कार्य करने वाले निकायों और कार्मिकों को तथा स्वच्छता के क्षेत्र में योगदान देने वाले अन्य नागरिकों को प्रशस्ति पत्र और उपहार देकर राज्य स्तर पर सम्मानित किया गया।

उन्होंने स्वच्छता ही सेवा के तहत् सीटीयू, सफ़ाई मित्र सुरक्षा, स्वच्छता जनभागीदारी में 9 नगर निगमों, 9 नगर पालिका परिषदों, और 8 नगर पंचायतों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया, वहीं छठ पर्व में स्वच्छ घाट-2024 से 4 नगर निगम, 3 नगर पालिका परिषद और 2 नगर पंचायतों को राज्य स्तरीय पुरस्कार देकर सम्मानित किया। इसी प्रकार सभी 762 नगरीय निकायों में स्वच्छता कर्मियों एवं डीसीसीसी कर्मियों को सम्मानित किया गया।

सीटीयू के लिए नगर निगम में मथुरा को प्रथम, कानपुर को द्वितीय और अयोध्या को तृतीय पुरस्कार, नगर पालिका परिषद में गजरौला को प्रथम, साण्डी को द्वितीय और सम्भल को तृतीय पुरस्कार, नगर पंचायत में ओबरा को प्रथम, रामकोला को द्वितीय व निघासन को तृतीय पुरस्कार मिला।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।